INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-39 | मथुरा, रविवार, 5 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

ओलावृष्टि से खेतों में 70 प्रतिशत फसल बर्बाद

नुकसान से रोया अन्नदाता

बरसात के पानी में डूबी गेहूं की फसल को दिखाता किसान।

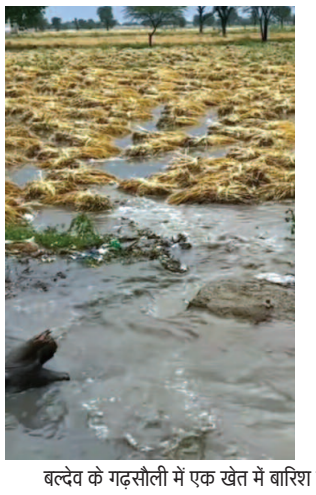

बल्देव के गढ़सौली में एक खेत में बारिश के पानी में डूबी फसल।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हे... भगवान। हमने क्या बिगाड़ा है। आंखों में आंसू लिए किसान खेतों में भरे बारिश के पानी में डूबी फसल को देखकर अपनी पीड़ा बयां कर रहा है। उसने सोचा था कि उसकी फसल पककर तैयार होगी। काटकर और सुखाकर मंडी में बेचने के लिए ले जाएगा, लेकिन क्या पता था इंद्रदेवता का फसल का ऐसा हाल कर देंगे। पिछले तीन दिन से बदले मौसम के बीच आसमान में छाए काले बादलों के तेज गर्जना और बिजली चमकने के साथ बरसने से किसानों का रोना शुरू हो गया। वजह थी कि उसकी मेहनत पर पानी फिर गया। अब किसानों की निगाहें सरकार की ओर लगी हैं। नुकसान की कुछ तो भरपाई हो जाए। किसानों का कहना है कि इस बार की फसल बहुत उम्मीद थी। सोचा था कि साहूकार का कर्ज चुक जाएगा। बेटियों के पीले हाथ हो जाएंगे। हालात कुछ और ही बयां कर रहे हैं।

फरह (मथुरा)। सुबह से ही मौसम बदला हुआ था, आसमान पर काले बादल छाए थे। तेज गर्जना के साथ अचानक वर्षा शुरू हो गई। करीब दो घंटे तक कभी हल्की तो कभी भी तेज बर्षा ने किसानों के हलक सुखा दिए।

प्रशासन ने शुरू किया सर्वे, खेतों में भरे पानी से बढ़ा नुकसान

फसल मुआवजे की गांव–गांव से उठने लगी मांग

कर्जदारों का कर्ज कैसे चुकाएंगे, बेटियों के पीले हाथ कैसे करेंगे

सुबह से काफी देर तक कभी हल्की, कभी तेज होती रही वर्षा

इस वर्षा में गेहूं की फसल भी खूब जमकर भीगी। सुबह करीब नौ बजे बाद बयार के बाद मौसम साफ हुआ तो बरसात थम गई। दोपहर में तेज धूप निकलने से लोगों के माथे पर पसीना निकल आया।

शाम होते होने से पहले आसमान पर बादल घिरने लगे, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई। सुबह–सुबह बर्षा के दौरान क्षेत्र में कहीं–कहीं ओलावृष्टि भी हुई। बेरी, बरारी, गढ़ाया आदि गांवों में वर्षा के साथ ओले पड़े, जबकि अधिकांश क्षेत्र में वर्षा की गति भी तेज रही। बेमौसम बरसात से गेहूं की फसल को काफी नुकसान हुआ है। गांवों से अब मुआवजे की मांग उठने लगी है। दीनदयाल धाम, परखम, विसू, बेरी, बरारी गढ़ाया आदि गांवों के किसानों ने सरकार से फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

कृषि विभाग के अनुसार जिले में 60 से 70 प्रतिशत तक फसल बर्बाद होने का अनुमान है। बारिश का सबसे अधिक असर उन किसानों पर पड़ा है जिनकी फसल कट चुकी थी और खेतों में पड़ी थी। अचानक हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि से कटी हुई फसल पूरी तरह भीग चुकी है। वहीं, खड़ी फसल भी पानी भरने के कारण झुक गई और सड़ने की स्थिति में पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले में मंत्री, विधायक, जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का जायजा ले रहे हैं। अधिकारियों द्वारा किसानों से बातचीत कर स्थिति का आकलन किया जा रहा है और रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

किसानों का कहना है कि यह फसल ही उनके पूरे साल की आय का मुख्य आधार थी। इसी से उन्हें बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों के लिए पैसा मिलना था। कई किसानों ने खेती के लिए कर्ज भी लिया था जो अब चुकाना मुश्किल हो गया है। बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों को पूरी तरह तोड़ दिया है। उप निदेशक कृषि वसंत कुमार दुबे ने बताया कि लगातार कई दिनों से हो रही बारिश के कारण जिन खेतों में पानी भर गया है, वहां सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पानी की निकासी न होने से फसल खराब हो गई है, जिससे नुकसान का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है।

कृषि विभाग और प्रशासन की टीमों द्वारा पूरे जनपद में फसल से हुए नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित किसानों को शासन स्तर से राहत दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों को आर्थिक संकट में डाल दिया है। अब किसानों की नजर प्रशासन और सरकार से मिलने वाली सहायता पर टिकी है, ताकि वे इस मुश्किल समय से उबर सकें।

डीएम ने गांव–गांव जाकर लिया जायजा

प्रत्येक किसान तक राहत समय पर पहुँचाना प्रशासन की जिम्मेदारी

छाता में गेहूं की फसल का निरीक्षण करते हुए डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, छाता के उप जिलाधिकारी वैभव गुप्ता।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने हाल ही में आई आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित फसल का स्थलीय निरीक्षण किया। खराब मौसम के चलते किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है, जिसे देखते हुए डीएम ने प्रभावित गांवों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील छाता के ग्राम चौमुंहा और पसौली के साथ तहसील सदर के ग्राम देवी आटस का दौरा किया। खेतों में पहुंचकर उन्होंने फसल की स्थिति देखी और किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। डीएम ने किसानों की समस्या सुनकर अधीनिस्तों को शीघ्र ही कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी छाता वैभव गुप्ता को

छाता और सदर तहसील के प्रभावित क्षेत्रों में किया निरीक्षण

पारदर्शी सर्वे व समय पर मुआवजा देने के दिए निर्देश

निर्देश दिए कि सभी प्रभावित खेतों का सर्वे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि किसी भी किसान को परेशानी न हो। नुकसान का सही आकलन कर रिपोर्ट जल्द तैयार की जाए। साथ ही शासन की ओर से मिलने वाली राहत सहायता किसानों तक समय से पहुंचाई जाए। डीएम ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है।

फैसला — नए कानून ने बंद किया बहानेबाजी का रास्ता

मालिक बोलेगा तो किरायेदार को करना पड़ेगा घर खाली

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक अहम फैसले ने किरायेदारी से जुड़े मामलों में बड़ा बदलाव स्पष्ट कर दिया है। अदालत ने कहा है कि नए कानून के तहत अब मकान मालिक की जरूरत ही अंतिम मानी जाएगी और किरायेदार पुराने नियमों का सहारा लेकर बेदखली से बच नहीं सकता।

न्यायमूर्ति डॉ. योगेंद्र कुमार श्रीवास्तव की एकल पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए कानपुर निवासी श्याम पाल की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश शहरी परिसर किरायेदारी विनियमन

अधिनियम 2021 लागू होने के बाद अब मकान मालिक को अपनी जरूरत साबित करने या तुलनात्मक कठिनाई बताने की बाध्यता नहीं है। यदि मालिक अपनी संपत्ति वापस चाहता है, तो वही उसकी वास्तविक जरूरत मानी जाएगी।

मालिक की जरूरत सर्वोपरि

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्ष 1972 के पुराने कानून में किरायेदारों को "जरूरत" और "कठिनाई" के आधार पर राहत मिल जाती थी, लेकिन नए कानून ने इस रास्ते को लगभग बंद कर दिया है। अब यह तर्क नहीं चलेगा कि मकान मालिक के पास अन्य संपत्तियां हैं या उसकी आवश्यकता उतनी जरूरी नहीं है।

यह मामला कानपुर नगर के गांधी नगर स्थित एक दुकान से जुड़ा था, जहां मालिक ने अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए दुकान खाली कराने की मांग की थी। निचली अदालतों ने पहले ही मालिक के पक्ष में फैसला दिया था, जिस पर हाईकोर्ट ने भी अपनी मुहर लगा दी।

हालांकि, अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए किरायेदार को तय समय तक दुकान खाली करने की मोहलत दी और उपयोग शुल्क देने का निर्देश भी दिया। इस फैसले को किरायेदारी कानून में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है जो भविष्य में ऐसे मामलों की दिशा तय करेगा।

यूनिक समय की खबर पर लगी मुहर

भरतपुर में नकली दवाओं के कारोबार का खुलासा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बाजार में बिक रही नकली दवाओं की खबर को यूनिक समय समाचार पत्र ने कल ही प्रकाशित किया था। रोगी क्या असली दवा का सेवन कर रहे हैं। वजह थी कि बाजार में नकली दवाओं ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है। यूनिक समय की खबर पर मथुरा के पड़ोसी जिले भरतपुर राजस्थान में नकली दवाओं के मिले कारोबार ने अपनी मुहर लगा दी। भरतपुर से शुरू हुई एक सामान्य जांच ने पूरे प्रदेश में फैले इस संगठित नेटवर्क की परतें खोल दीं हैं। औषधि नियंत्रण विभाग ने टेबलेट क्यूसिपोड 200 (बैच नंबर वीटी 242312) का नमूना लिया, जो लैब जांच में नकली पाया गया।

इसके बाद राज्य औषधि नियंत्रक अजय फाटक ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए राजस्थान में इस दवा की बिक्री और उपयोग पर रोक लगा दी और सभी जिलों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। यह एक एंटीबायोटिक मेडिसिन है जो बैक्टीरियल इन्फेक्शन के इलाज में दी जाती है। चार लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गईं। इसका उपयोग आमतौर पर गले और टॉन्सिल का इन्फेक्शन साइनस, फेफड़ों का संक्रमण, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया, कान का इन्फेक्शन, मूत्र मार्ग संक्रमण (यूटीआई) और त्वचा के बैक्टीरियल इन्फेक्शन के इलाज में होता है।

जांच में सामने आया कि यह दवा हिमाचल प्रदेश के बद्दी स्थित वीएडीएसपी फार्मास्यूटिकल्स नामक निर्माता फर्म से सप्लाई की गई थी। मामले में अन्य दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजने के साथ स्टॉक को सीज किया गया है। जालोर और भरतपुर में भी दवा विक्रेताओं की जांच की जा रही है। नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए राज्य स्तर पर टीमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग की तैयारी पर सवाल

हादसे को न्योता दे रहे जर्जर बिजली के खंभे

गर्मियों से पहले विभाग की कैसी स्मार्ट तैयारियां!

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में बिजली विभाग की तैयारियों की पोल गर्मियों की शुरुआत से पहले ही खुलती नजर आ रही है। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जर्जर बिजली के खंभे हादसे को खुला न्यौता दे रहे हैं, लेकिन विभाग अब तक कोई ठोस कदम उठाता नहीं दिख रहा। स्थानीय लोग व राहगीर जब इस मार्ग से निकलते हैं तो भगवान का नाम लेकर निकलते है, कहीं ये ऊपर नहीं गिर जाए। गोवर्धन रोड स्थित चौहान हॉस्पिटल के सामने लगा बिजली का खंभा झुका हुआ है और कभी भी गिर सकता है। यह मार्ग बेहद व्यस्त है, जहां से दिन-रात आम नागरिकों के साथ-साथ वीआईपी भी गुजरते हैं। इसके बावजूद विभाग की उदासीनता हैरान करने वाली है। लोगों का कहना है कि यदि तेज आंधी या बारिश आ जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। इसी तरह अमरनाथ स्कूल से आगे कब्रिस्तान के पास भी बिजली का खंभा जर्जर हालत में खड़ा है। इसके अलावा केआर इंटर कॉलेज जाने वाले मार्ग पर भी एक पोल गिरने की स्थिति में है। इन स्थानों पर रोजाना सैकड़ों लोगों का आना-जाना रहता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। कुछ दिन पहले शहर में एक जर्जर बिजली का खंभा एक उद्योगपति की गाड़ी पर गिर गया था। गनीमत रही कि उस समय कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने विभाग की लापरवाही को उजागर कर दिया। इसके बावजूद संबंधित अधिकारी अब तक गंभीर नजर नहीं आ रहे। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिजली विभाग केवल कागजों में ही तैयारियों का दावा कर रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग ने हाल ही में कहा था कि गर्मियों से पहले जिले भर में जर्जर तार, बिजली के खम्भे और बिजली घरों को भी संभाला जा रहा है, इससे ऐसा लग रहा है कि विभाग चैन की नीद सो रहा है। गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने के साथ ही आंधी-तूफान की संभावना भी अधिक रहती है। ऐसे में यदि समय रहते इन खंभों की मरम्मत या बदलने का कार्य नहीं किया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना होगा कि बिजली विभाग कब तक जागता है।

गोवर्धन रोड चौहान हॉस्पीटल के सामने जर्जर बिजली का खम्भा। अमरनाथ स्कूल से आगे कब्रिस्तान के पास बिजली का झुका हुआ खम्भा। केआर इंटर कॉलेज के सामने से होकर निकले रास्ते पर बिजली का झुका हुआ पोल।

गोवर्धन रोड से लेकर शहर के कई हिस्सों में विभाग की तैयारियों का खस्ताहाल

जिम्मेदारों की अनदेखी से लोगों में भय

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,49,510

22 कैरेट 1,37,549

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,32,960 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

केशव धाम में श्रीमद्भागवत कथा का हवन के साथ पूर्ण विश्राम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। केशव धाम प्रबंध समिति के तत्वावधान में केशव धाम में भागवताचार्य श्रीकृष्ण चंद ठाकुर जी के सान्निध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का आज सप्तम दिवस यज्ञ के बाद विश्राम हो गया।

भगवान श्रीकृष्ण के अन्यान्य विवाहों की कथा, प्रद्युम्न जन्म, अनिरुद्ध-ऊषा विवाह पश्चात सुदामा चरित्र आज की कथा के मुख्य प्रसंग रहे। सुदामा जी के चरित्र को महाराज श्री ने बड़े ही भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। बताया कि सुदामा जी दरिद्र नहीं अपितु आत्मसंतुष्ट अथवा जितेंद्रिय ब्राह्मण भे। भागवत जैसा ग्रंथ एक दरिद्र को प्रसन्नात्मा जितेंद्रिय शब्द से कभी भी अलंकृत नहीं कर सकता है। सुदामा पेट के लिए नहीं अपितु परमात्मा के लिए जीवन जीते थे। बहुत ऐश्वर्य भी आपको जितेंद्रिय नहीं बनाता अपितु आपकी आत्मसंतुष्टि आपको जरूर जितेंद्रिय बना देती है। जो जितेंद्रिय बन जाता है वही परम ऐश्वर्यवान भी बन जाता है। शुकदेव स्वरूप व्यास भगवान के पूजन पश्चात, विप्र देवों के पूजन एवं भागवत भगवान की भव्य आरती पश्चात प्रसाद वितरण के साथ इस सप्ताह ज्ञान यज्ञ अनुष्ठान का मंगलमय पूर्ण विश्राम हुआ।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ. सत्यानंद सरस्वती, विहिप के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश कुमार, जीएलए विवि कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल, बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, प्रभास्कर राय, सुधा राय, अगम गौतम, ललित कुमार, सतीश अग्रवाल, अमित जैन, राजा भोज, कमल किशोर वार्ष्णेय, मुकेश खंडेलवाल, नृत्यगोपाल दुबे, नगर प्रचारक कृष्ण कुमार, संजय जादौन, योगेंद्र कुमार, महेश किलानोत, कमलेश कुमार एवं वैभव अग्रवाल उपस्थित थे।

वृंदावन स्थित केशव धाम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के समापन पर व्यास पीठ पर विराजमान भागवताचार्य श्रीकृष्ण चंद ठाकुरजी की आरती करते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल। साथ में खड़े हैं बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल आदि।

विद्युत उपभोक्ताओं के अधिकारों की अनदेखी पर होगा आंदोलन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना बड़े पैमाने पर प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने देश के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर व केंद्रीय ऊर्जा सचिव को एक प्रस्ताव भेजते हुए कहा कि यह कार्यवाही विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 47(5) का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसमें प्रीपेड मीटर को उपभोक्ता की इच्छा पर आधारित वैकल्पिक व्यवस्था बताया गया है।

श्री वर्मा ने बताया कि 2 अप्रैल को संसद में स्पष्ट किया गया है कि प्रीपेड मीटर केवल उपभोक्ता की मांग पर ही लगाए जा सकते हैं और यह पूरी तरह वैकल्पिक व्यवस्था है। इसके बावजूद प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियां इस प्रावधान की अनदेखी करते हुए उपभोक्ताओं पर प्रीपेड प्रणाली थोप रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने भारत सरकार से मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, जिन उपभोक्ताओं के मीटर बिना सहमति के प्रीपेड किए गए हैं, उन्हें तत्काल पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए। नए कनेक्शनों में प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता समाप्त की जाए। दोषी अधिकारियों एवं संबंधित कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि उपभोक्ताओं के अधिकारों की अनदेखी जारी रही तो प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा।

यूपी में प्री पेड स्मार्ट मीटर लगाने की जांच कराने की मांग

विरोध के बाद भी लगाए जा रहे हैं स्मार्ट मीटर

शान

जिले में वीआईपी नंबरों का बढ़ा क्रेज

शौक और स्टेटस बन गया वीआईपी नंबर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में इन दिनों वाहनों पर वीआईपी नंबर लेने का क्रेज धीरे-धीरे बढ़ रहा है। लोग अपनी पसंद और शौक को पूरा करने के लिए हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च कर रहे हैं। यही कारण है कि मथुरा की सड़कों पर अब दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहनों तक वीआईपी नंबर प्लेट वाले वाहन बड़ी संख्या में नजर आ रहे हैं। वाहन मालिकों के बीच खास नंबर लेने की होड़ मची हुई है। कोई अपने वाहन के लिए 1111, 2222 जैसे आकर्षक नंबर लेना चाहता है तो कोई 7000, 8000 या 1122 जैसे नंबरों को पसंद कर रहा है। ऐसे नंबरों को लोग अपनी पहचान और शान दिखाने में होड़ मची हुई है। एआरटीओ कार्यालय के अनुसार वीआईपी नंबरों के लिए अलग से शुल्क निर्धारित किया गया है। दोपहिया वाहनों के लिए 1111, 2222 जैसे खास नंबर लेने पर करीब 20 हजार रुपये अतिरिक्त देने होते हैं, जबकि चार पहिया वाहनों के लिए ऐसे नंबरों की कीमत लगभग एक लाख रुपये तक पहुंच जाती है। इसके बावजूद लोग इन नंबरों को लेने में पीछे नहीं हट रहे हैं। इसी तरह 1011, 1122, 7000, 7700, 8000 जैसे नंबरों के लिए दोपहिया वाहन मालिकों को लगभग 10 हजार रुपये अतिरिक्त देने पड़ते हैं, जबकि चार पहिया वाहनों के लिए इन नंबरों की कीमत करीब 50 हजार रुपये निर्धारित है। इसके अलावा 1800, 2002, 2100, 2700 जैसे नंबरों के लिए दोपहिया वाहनों पर पांच हजार रुपये और चार पहिया वाहनों पर 25 हजार रुपये अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है। वहीं कुछ कम श्रेणी के वीआईपी नंबर जैसे 4050, 1199, 3322, 4466, 2772 भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। इन नंबरों के लिए दोपहिया वाहन मालिकों को लगभग तीन हजार रुपये और चार पहिया वाहनों के लिए करीब 15 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ते हैं। इन सभी श्रेणियों में लोगों की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों का मानना है कि वीआईपी नंबर अब केवल एक पहचान नहीं, बल्कि लोगों के स्टेटस बन चुका हैं। खास नंबर वाले वाहन सड़क पर अलग ही नजर आते हैं, जिससे वाहन मालिकों को एक अलग संतुष्टि मिलती है। वीआईपी नंबरों का यह बढ़ता चलन न केवल लोगों के शौक तो हे ही बल्कि सरकार के लिए अतिरिक्त आय का भी एक बड़ा जरिया बन गया है।

शौक पूरा करने को लोग खर्च कर रहे लाखों रुपये

दोपहिया से लेकर चार पहिया वाहनों तक खास नंबरों की मांग बढ़ी

सरकार को मिल रहा अतिरिक्त राजस्व

तलाक के फैसले पर मनाया उत्सव

बेटी प्रणिता को पिता बैंडबाजों के साथ लाया घर

यूनिक समय, मेरठ। शास्त्रीनगर निवासी उत्तराखंड कैडर के रिटायर्ड जिला जज डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने समाज के सामने एक अनोखी मिसाल पेश की है। अपनी बेटी प्रणिता वशिष्ठ के तलाक की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्होंने उसे कोर्ट से घर लाने का फैसला लिया। लेकिन उन्होंने इसे साधारण तरीके से नहीं किया। उन्होंने बेटी की घर वापसी को पूरे सम्मान और खुशी के साथ मनाया। कोर्ट से घर तक का पूरा रास्ता ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे से गूंज उठा। नाच-गाना हुआ और बेटी प्रणिता को फूलों की मालाएं पहनाई गईं। डॉ. शर्मा ने इस पूरे कार्यक्रम को अपनी बेटी के स्वाभिमान का उत्सव बना दिया। उन्होंने कहा कि बेटी का सम्मान ससुराल में प्रताड़ना सहकर रहने में नहीं है। असली सम्मान तो सिर उंचा करके अपने घर वापस आने में है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैंने कोई एलिमनी या पैसे नहीं मांगे। मैं सिर्फ अपनी बेटी को वापस लाया हूं। मेरी बेटी कोई सामान नहीं है कि उसे कहीं भी छोड़ दिया जाए। उसका सम्मान सबसे पहले और सबसे ऊपर है। प्रणिता वशिष्ठ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह वर्तमान में तेजगढ़ी चौराहे पर स्थित प्रणव वशिष्ठ जुडिशल अकादमी में फाइनेंस डायरेक्टर के पद पर काम कर रही हैं। वे अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं।

महिला से दुराचार व लूट करने वाला अपराधी मुठभेड़ में घायल

यूनिक समय, मथुरा। महिला से दुराचार और लूट करने के आरोप में वांछित चल रहे एक अभियुक्त से महिला शक्ति और सर्वालांस टीम की जैंत थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से अभियुक्त घायल हो गया। घायल को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

इस बारे में सीओ सदर ने बताया कि 16/17 मार्च की रात हरियाणा की रहने वाली एक महिला को अभय फौजी नाम से व्हाटसएप आईडी बनाकर थाना फरह के रहने वाले गांव मॉल निवासी पवन कुमार ने परिवार को जानसे मारने की धमकी देकर छटीकरा बुलाया और वहां से पवन उसे अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर राज गैस्टहाउस छटीकरा ले गया। इसके बाद

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए अभियुक्त को ले जाती पुलिस।

महिला के फोन से 15 हजार रुपये अपने खाते में डाल लिए। यही नहीं उसने महिला से चार हजार की नकदी और उसके कानों के कुंडल भी उतरवा लिए। इसके बाद महिला के साथ

जैंत पुलिस मिशन शक्ति व सर्विलांस ने की सयुंक्त कार्रवाई

घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

दुष्कर्म करने के बाद उसे छटीकरा पुल के नीचे छोड़ दिया। महिला ने अपने साथ हुई वारदात के बारे में थाना जैंत में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अभियुक्त पवन की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। रात को थाना प्रभारी निरीक्षक उमेशंचद त्रिपाठी और पुलिस व महिला शक्ति टीम और सर्विलांस टीम को अभियुक्त पवन कुमार के बारे में जानकारी लगी। पुलिस टीमों ने उसकी घेराबंदी की। पुलिस टीम की उसके साथ सनसिटी कालोनी के पास एक खाली प्लाट के समीप मुठभेड़ हो गई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली अभियुक्त के पैर में लगी। पुलिस ने घायल अभियुक्त पवन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। घायल को पुलिस ने सौसय्या हॉस्पिटल वृंदावन में भर्ती कराया है। पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल और तमंचा, करतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में निरीक्षक विवेक कुमार, उप निरीक्षक विकास शर्मा, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, महिला उप निरीक्षक काजल भारद्वाज, प्रिया सिवाच, दुष्यंत कौशिक, केशव वशिष्ठ, संजीव कुमार उप निरीक्षकों के अलावा पुलिस फोर्स है।

सोना गिरवी, सपने पूरे

उप्र में गोल्ड लोन का तेजी से बढ़ रहा चलन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश में गोल्ड लोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, जो राज्य की बदलती आर्थिक तस्वीर को दर्शाती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, यूपी में गोल्ड लोन में करीब 96 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह राज्य देश के तेजी से उभरते बाजारों में शामिल हो गया है। सबसे दिलचस्प तथ्य यह है कि इस बढ़ोतरी में ग्रामीण और छोटे शहरों की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 68 प्रतिशत गोल्ड लोन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से लिए जा रहे हैं, जबकि शहरी हिस्सेदारी लगभग 32 प्रतिशत के आसपास है। इसके अलावा, गैर-मेट्रो यानी छोटे शहरों और कस्बों से आने वाले उधारकर्ताओं की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो इस ट्रेंड को और मजबूत बनाती है। उप्र में किसान, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग के लोग अपनी तात्कालिक जरूरतों-जैसे खेती, व्यापार और घरेलू खर्च के लिए सोना गिरवी रखकर ऋण लेना अधिक आसान और तेज विकल्प मान रहे हैं। कम दस्तावेज, तुरंत पैसा और बैंकिंग की सीमित पहुंच इस प्रवृत्ति को बढ़ा रही है। हालांकि, इस तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सोने की कीमतों में गिरावट आती है तो उधारकर्ताओं और

गांव-शहर में छाया गोल्ड लोन का जादू, 96% उछाल ने चिंता बढ़ाई

उप्र में गोल्ड लोन बढ़ा, अवसर संग जोखिम

वित्तीय संस्थाओं दोनों पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं नकली सोने के मामलों और बार-बार कर्ज लेने से कर्ज के जाल में फंसने का खतरा भी बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, उप्र में गोल्ड लोन अब केवल मजबूरी नहीं, बल्कि एक मुख्य वित्तीय साधन बनता जा रहा है। लेकिन इसकी बढ़ती लोकप्रियता के साथ सावधानी भी जरूरी है, ताकि सुविधा के साथ जोखिम पर नियंत्रण रखा जा सके।

गोविंद नगर में गाय गहरे नाले में फंसी

फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर बचाई जान

स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली

गौ माता के जयकारे लगने लगे

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर क्षेत्र स्थित यादव चौराहा के पास रविवार की सुबह एक गाय अचानक घूमते-घूमते गहरे नाले में गिर गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने गाय को बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया, लेकिन नाले से गाय नहीं निकल पाई। स्थानीय लोगों द्वारा काफी देर तक प्रयास करने के बाद भी जब गाय को बाहर नहीं निकाला जा सका तो इसकी सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। फायर ब्रिगेड टीम में शामिल एसआई विनोद शर्मा, चालक सत्यवीर सिंह, अनौखे भदौरिया, मनीष शर्मा और विवेक सारस्वत ने स्थानीय लोगों के सहयोग से जेसीबी मशीन के द्वारा गाय को सुरक्षित नाले से बाहर निकाल लिया गया।

यादव चौराहे के पास नाले में गिरी गाय को फायर ब्रिगेड की सहायता से निकालती जेसीबी

गाय के बाहर निकलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

राया में भक्तिभाव के साथ निकली राधारानी की पदयात्रा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्री राधारानी सेवा समिति के तत्वावधान में 122 वीं मासिक पदयात्रा रेतिया बाजार ठाकुर राधागोपाल जी मंदिर से हरिनाम संकीर्तन के साथ भक्तिभाव के साथ निकाली गयी, जो मांट मार्ग होते हुए मानसरोवर धाम राधारानी मंदिर पहुंची। पदयात्रियों ने मानसरोवर कुंड की परिक्रमा कर राधारानी के दर्शन किये। राधारानी को भोग प्रसाद निवेदित कर प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर एडवोकेट पवन गोयल, मुकेश अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, धर्मेश अग्रवाल, सुनील कुमार, प्रमोद गोयल, प्रभात अग्रवाल, योगेश गोयल, अरुण आदि मौजूद थे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में दिल्ली की रैली में शामिल हुए शिक्षक

यूनिक समय, बल्देव । देशभर के परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विरोध में नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विरोध-प्रदर्शन किया। इसमें विकास खंड बल्देव से पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष नन्द किशोर गुधेनिया, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष उपेंद्र पांडेय, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री सुसेंद्र मित्तल, रवेंद्र रावत, सुजीत वर्मा, जगदीश पाठक, सौरभ सारस्वत आदि ने भाग लिया।

कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह कल

यूनिक समय, मथुरा। महाराजा अग्रसेन सेवा सदन अग्रवाल धर्मशाला छाता रोड शेरगढ़ पर ब्रज की कन्याओं का सामूहिक विवाह समारोह कल होगा श्री भगवत आश्रय सेवा संस्थान वृंदावन की ओर से तैयारियां की जा रही है। सेवा संस्थान के छबीले छैल बिहारी ने बताया की इस सामूहिक विवाह समारोह में 11 कन्याओं का विवाह होगा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

दवाओं की रिटेल बिक्री पर लगाम लगाने की तैयारी

मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी कैमरा लगाना होगा अनिवार्य

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा /नई दिल्ली। देश में दवाओं की रिटेल बिक्री पर लगाम कसने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। ड्रग कंसल्टेटिव कमेटी ने मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ड्रग कंसल्टेटिव कमेटी ने यह भी साफ किया है कि कैमरे दुकान के भीतर ऐसी जगह लगाए जाने चाहिए जहां से दवा की हर खरीद–फरोख्त साफ–साफ दिखाई दे। नई दिल्ली से प्रकाशित एक दैनिक अंग्रेजी अखबार में छपी खबर के मुताबिक इसका मकसद उन खामियों को दूर करना है जो कैमरों के सही दिशा में न

डीसीसी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी

होने की वजह से रह जाती हैं। माना जा रहा है कि यदि यह फैसला लागू होता है तो यह दवाओं की बिक्री पर सरकारी निगरानी बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। हालिया बैठक में डीसीसी ने मोबाइल ऐप–आधारित इंफॉर्मेशन सिस्टम या एक सेंट्रलाइज्ड ड्रग पोर्टल बनाने पर भी सहमति जताई। इस पोर्टल का मकसद दवाओं से जुड़ा डेटा एक ही जगह इकट्ठा करना है। इसके जरिए उन दवाओं की रियल टाइम ट्रैकिंग की जा सकेगी, जिनका गलत इस्तेमाल होने की आशंका ज्यादा होती है।

आओ बैठक में मंथन करें वृंदावन की जाम की समस्या पर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में रहने वाले लोग जाम की समस्या से इतने अधिक त्रस्त हो चले हैं कि उन्होंने आठ अप्रैल को अपराह्न तीन बजे गणेशीलाल अतिथि भवन में बैठक आहुत की है। इसमें सभी लोगों की पीड़ा सुनी जाएंगी और समाधान ढूंढ़ा जाएगा कि जाम की समस्या से निजात पाने का क्या समाधान है। बैठक आहूत करने वालों का कहना है कि मंदिरों की नगरी का शायद कोई हिस्सा जाम की समस्या से अछूता होगा। हर क्षेत्र के लोग जाम के कारण घरों में कैद होने को विवश हो गए हैं। न कितनी बार प्रशासन और प्रतिनिधियों से जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रार्थना की जा चुकी है। हर बार सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। प्लान सड़क पर बिखर गए। अब आठ अप्रैल को हर क्षेत्र के लोग बैठक में मंथन करेंगे और नासून बन चुकी जाम की समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे। अभी अक्षय तीज आने में करीब एक पखवाड़े का समय है, लेकिन ठाकुर बांकेबिहारी महाराज एवं निधिवनराज मंदिर के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु

आठ अप्रैल की बैठक में सभी आमंत्रित

वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ से भर रही हैं गलियां

बड़ी संख्या में वृंदावन आ रहे हैं। हालात यह है कि प्रमुख बाजारों में श्रद्धालुओं की आवाजाही से कभी–कभी व्यापारी भी परेशान दिखाई देते हैं। वजह ई रिक्शा और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण दुकानों के सामने स्थिति बिगड़ जाती है।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए विभिन्न शहरों से श्रद्धालु आ रहे हैं। बस एक तमन्ना रहती है कि किसी तरह से ठाकुरजी की एक झलक मिल जाए। वह धक्का खाते हुए ठाकुरजी की चौखट तक पहुंच जाते हैं। फिर दर्शन कर निहाल हो जाते हैं। निधिवन राज मंदिर के दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ ठाकुर रमणलाल मंदिर जाती है तो पूरी गली भरी नजर आती है। फिर तो यहां से दो पहिया निकलना मुश्किल हो जाता है।

नागरिक सुरक्षा विभाग की मासिक बैठक

प्रशिक्षण और विभागीय कार्यों की हुई समीक्षा

नागरिक सुरक्षा विभाग की मासिक बैठक में अधिकारी एवं स्वयं सेवक।

यूनिक समय, मथुरा। नागरिक सुरक्षा विभाग की वार्डन पोस्ट संख्या एक की मासिक समीक्षा बैठक औरंगाबाद स्थित आचार्य चरण महाप्रभु श्रीमद् वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुई। प्रभारी अधिकारी अपर जिला अधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य के नेतृत्व में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर इंजीनियर अशोक यादव ने की। बैठक में स्वयंसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और विभागीय लक्ष्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। उच्चाधिकारियों के निर्देशों के अनुपालन में सभी वार्डनों और स्वयंसेवकों को केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान में होने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, 'परिवार पंजिका' के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने और प्रत्येक सेक्टर स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने की बात कही गई।

भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव 19 अप्रैल को

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान महिला सभा की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान महिला सभा की बैठक डॉ. उमा शर्मा की अध्यक्षता में हुई। महिलाओं ने भगवान परशुराम प्राकट्य उत्सव विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ–साथ मेहंदी चित्रकला निबंध रंगोली आदि प्रतियोगिता करा कर मनाने का निर्णय लिया।

इसमें मेहंदी प्रतियोगिता शांति बाई इंटर कॉलेज धौली प्याऊ पर, चित्रकला प्रतियोगिता वेद प्रकाश पाठक पब्लिक स्कूल नौहझील, रंगोली प्रतियोगिता मां वैष्णो देवी पब्लिक स्कूल, निबंध प्रतियोगिता राधा माधव इंटर कॉलेज गोवर्धन रोड, पोस्टर प्रतियोगिता आरएनकेवी इंटर कॉलेज औरंगाबाद पर होंगी। यह सभी कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक होंगे।

कार्यक्रम का समापन एवं भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव वाटी बाली कुंज लाल दरवाजा पर प्रातः 8 बजे से मनाया जाएगा। इसमें भगवान का अभिषेक के साथ–साथ 21 विप्र जन सम्मानित किये जाएंगे। सभी पांच दिवसीय कार्यक्रमों के संयोजक नियुक्त किए गए हैं।

बैठक में संस्थान सचिव मालती भार्गव, अध्यक्ष डॉ. जमुना शर्मा, रजनी भट्ट, अनीता शर्मा, प्रतिभा शर्मा, कल्पना सारस्वत, शशि शर्मा , डॉ. सीमा मिश्रा, अंजू गौतम अभिषेक चतुर्वेदी एवं केके गौतम उपस्थित थे।

जीआरपी ने पकड़ा चोर, दो मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या आठ पर आगरा एंड की ओर से एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उससे चोरी के दो मोबाइल बरामद किए हैं।

जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिह ने बताया कि उप निरीक्षक आशोतोष उप निरीक्षक अर्जुन सिंह आरपीएफ के उप निरीक्षक सुरजीत सिंह अपनी टीम के साथ स्टेशन पर चेकिंग कर रहे थे। टीम चेकिंग करती हुई प्लेट फार्म संख्या आठ पर अगरा एंड की ओर पहुंचे तो वहां झाड़ियों के समीप एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। टीम ने युवक को पूछताछ के लिए पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त का नाम सौरभ निवासी आमोरा थाना बानपुर जिला ललितपुर की तलाशी करने पर उसके पास से दो मोबाइल फोन मिले। पुलिस ने जब उससे बरामद मोबाइलों के बारे में पूछताछ की तो उसने मोबाइल चोरी करने की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

श्री राम कथा को हुआ भूमि पूजन और हवन

गो ग्राम परखम में 10 अप्रैल से आयोजित श्री राम कथा के लिए हवन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, फरह । 10 अप्रैल से महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी श्रद्धालुओं को श्री राम कथा सुनाएंगे। कथा आयोजन को लेकर रविवार को गो ग्राम परखम में भूमि पूजन और हवन हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पदाधिकारियों ने आहुति डाली, गो माता का भी पूजन किया।

गांव परखम स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय गो अनुसंधान में 10 अप्रैल से महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. कैलाशानंद गिरी भगवान श्री राम की कथा का वर्णन करेंगे। ब्रज में पहली बार कथा सुनाने जा रहे कैलाशानंद गिरी की कथा के लिए व्यापक तैयारियां की गई है, हजारों श्रद्धालुओं के बैठने के लिए विशाल पांडाल तैयार किया जा रहा है। श्री राम कथा को लेकर सुबह गोशाला परिसर में भूमि पूजन और हवन हुआ। पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति डाली, गो माता का पूजन भी किया। आचार्य ने पदाधिकारियों से इस धार्मिक काम को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूरा कराया। कार्यक्रम में अजीत महापात्रा अखिल भारतीय गौ सेवा संयोजक, सतीश अवाना संरक्षक श्री राम कथा, शिव कुमार शर्मा सर्व व्यवस्था प्रमुख, उमेश शर्मा, अभिषेक गौड़ संयोजक, बबिता पाठक, डॉ. संजय शर्मा उपाध्यक्ष गोशाला के अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, राम कथा कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक, स्मारक निदेशक सोनपाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह, लाल सिंह के अलावा काफी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मथुरा और वृंदावन में ई रिक्शा चालकों की है मनमानी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा हो या वृंदावन। दोनों क्षेत्रों में ई रिक्शा चलाने वालों की आपाधापी से हर कोई परेशान नजर है। वृंदावन में कल ही सीओ सदर ने व्यापारियों के साथ मिलकर ट्रेफिक प्लान बनाया, लेकिन प्लान के विपरीत यहां सब कुछ चला। न तो ई रिक्शा चालक रुके और न ही चार पहिया वाहन।

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्म भूमि की बात करें तो यहां के मुख्य दरवाजे के सामने मथुरा–वृंदावन मार्ग पर ई रिक्शा का जमावड़ा रहता है। हालात यह होते हैं कि राहगीरों के लिए चलना मुश्किल होता है। हैरानी की बात तो यह है कि इस सेंटर पर श्री कृष्ण जन्म भूमि की सुरक्षा में लगी फोर्स और ट्रेफिक पुलिस

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मैन गेट के सामने ई रिक्शा का जमावड़ा। यात्रियों को अंदर जाने और निकलने में दिक्कत हो रही है।

के जवान तैनात रहते हैं। फिर ई रिक्शा संचालकों को किसी का भय तक नहीं है। इसी तरह से शहर के चौराहा और तिराहा पर भी ई रिक्शा चालकों की मनमानी दिखाई देती है। मंदिरों क नगरी वृंदावन में भी कुछ ऐसे ही हालात दिखाई देते हैं। छोटी गलियों से लेकर बाजार के रास्तों में ई रिक्शा का संचालन

वृंदावन में कल खींची लक्ष्मण रेखा और आज टूटती नजर आई

हो रहा है। जल्दबाजी के कारण ई रिक्शा चलाने वालों को कोई दिखाई नहीं देता है। रोजाना किसी न किसी के साथ मारपीट भी हो जाती है। सीओ सदर ने कल व्यापारियों के साथ जाम की समस्या से निजात पाने के लिए लक्ष्मण रेखा खींची, लेकिन रविवार को लक्ष्मण रेखा को कोई मतलब दिखाई नहीं दिया। कल लगाए प्रतिबंध के बाद भी ई रिक्शा बाजारों में धडल्ले से चलते दिखाई दिए। कई जगह तो जाम की स्थिति नजर आई। आखिर जाम की स्थिति का समाधान कब कौन निकालेगा।

जिले के सभी विद्यालयों में पुस्तक मेला आयोजित कराएं डीआईओएस

आदेश का पालन न करने वाले स्कूलों पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज ने माध्यमिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संस्थाओं में 2026–27 के लिए उन्हीं पाठय पुस्तकों के प्रयोग किए जाने के आदेश दिए हैं जिन्हें सरकार द्वारा सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षकों को 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों में पुस्तक मेला आयोजित कर छात्र और अभिभावकों को इसके लिए जागरूक करने को कहा है। राजकीय सहायता प्राप्त स्ववित्त पोषित हाईस्कूल इंटरमीडिएट संस्थाओं में सस्ती दरों पर प्रचलन में लाई गई उच्च गुणवत्ता की पाठ्य पुस्तक मिल सकें। विद्यालयों में अनुचित रूप प्रचलित पुस्तकों को तुरंत रोका जाए, अनाधिकृत प्रकाशकों द्वारा छपी गाइड एवं अन्य पुस्तकों पर तुरंत पाबंदी लगाएं। इस तरह की पुस्तकें 149 से 361 प्रतिशत तक मंहगी हैं। डीआईएस विद्यालयों का निरीक्षण करें और इस तरह के मामलों में आदेश का अनुपालन न करने वाली संस्थाओं, प्रबंधकों प्रधानाचार्यों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। यह भी कहा गया है कि इस वर्ष की मुद्रित पाठ्यपुस्तकों की असली/नकली की पहचान करने के लिए पाठ्यपुस्त के आवरण पृष्ठ पर 7 अंकों का अल्ट्रा वॉयलेट फ्लोरोसेंट लाल रंग में मुद्रित सीरियल नंबर देखें अगर अनावरण पृष्ठ पर ये सीरियल नंबर न हो तो पुस्तक नकली मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। अभिभावक और छात्रों को जागरूक करने के लिए पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 15 अप्रैल तक अनिवार्य रुप से पुस्तक जागरूकता और सुलभता शिविर (पुस्तक मेला) आयोजित कराया जाए। इसके साथ ही जनपद की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से डाला जाए।

छात्र और अभिभावकों को 15 अप्रैल तक करें जागरूक

पुस्तक मेला की जानकारी जनपद की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से दी जाए

माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा अधिकृत पाठ्य पुस्तकों के अलावा अन्य कोई पुस्तक न पढ़ाई जाए ताकि छात्र–छात्राओं के अध्यन के लिए

मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म पर ट्रेन से गिरकर महिला हुई घायल

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर कालका सुपर फास्ट ट्रेन से प्लेटफार्म संख्या दो पर जनरल कोच में यात्रा करती एक महिला ट्रेन से उतरने के दौरान ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गिर कर ट्रेन से बुरी तरह घायल हो गई। घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई।

थाना जीआरपी मथुरा जंक्शन के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि कालका सुपर फास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा करने वाली महिला प्रीती पत्नी जितेंद्र कुमार निवासी पुराना कोठा परचा थाना मउदरवाजा फर्रुखाबाद मथुरा जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या दो पर जनरल कोच से उतरने के दौरान चलती ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गिर गई। प्रीती को इस तरह गिरते देख उनके दोनो बेटे मंयक और देवेश बुरी तरह से घबरा गए। किसी तरह उन्हें आरपीएफ ने

महिला की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत

मां की मौत से दोनों बेटे थे आहत

घायलावस्था में निकाला गया। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मां की मौत से दोनों बेटे बुरी तरह आहत थे। मां के साथ हुई इस दुर्घटना के बारे में परिवार के लोगों को भी सूचना दी गई। परिवार के लोग भी मथुरा आ गए। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम कराया और शव को परिवार के लोगों के सपुर्द कर दिया।

ब्रज में बढ़ी डिजिटल भुगतान की रफ्तार

यूपीआई बना सबसे पसंदीदा माध्यम

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश में डिजिटल भुगतान का तेजी से विस्तार हो रहा है और इसका असर जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 के पहले नौ महीनों में प्रदेश में 1635 करोड़ से अधिक डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए, जिनमें से करीब 1566 करोड़ लेनदेन यूपीआई और क्यूआर कोड के माध्यम से हुए। इसी अवधि में मथुरा जिले में लगभग 18.50 करोड़ डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए। जिले के बैंकिंग आंकड़ों के अनुसार, कुल डिजिटल लेनदेन में करीब 72 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई का है। क्यूआर कोड के जरिए होने वाले भुगतान में भी तेजी आई है। शहर क्षेत्र में लगभग 78 प्रतिशत व्यापारी और उपभोक्ता डिजिटल माध्यम अपना चुके हैं, जबकि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यह आंकड़ा करीब 58 से 62 प्रतिशत के बीच पहुंच गया है। मथुरा में कार्ड आधारित भुगतान भी बढ़ रहा है। बीते नौ महीनों में डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिए करीब 2,300 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। वहीं तत्काल भुगतान सेवा के माध्यम से बड़े भुगतान भी तेजी से किए जा रहे हैं, खासकर व्यापारियों और संस्थानों के बीच। छोटे दुकानदार, होटल, धर्मशाला और परिवहन सेवाएं अब बड़े पैमाने पर क्यूआर कोड आधारित भुगतान अपना रही हैं। हालांकि, डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ साइबर धोखाधड़ी के मामले भी सामने आ रहे हैं। बैंक और प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित लेनदेन के लिए जागरूक रहने की सलाह दी है। कुल मिलाकर मथुरा में डिजिटल भुगतान तेजी से आम जीवन का हिस्सा बन चुका है और नकदी पर निर्भरता लगातार घट रही है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री नरेन्द्र सिंह जी (पप्पू प्रधान)
(रहीमपुर, फरह वाले)

आज आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारीजन आपको हृदय से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। आपकी स्मृतियाँ सदैव प्रेरणादायक रहेंगी।

श्रद्धानवत

श्रीमती मुन्नीदेवी (धर्मपत्नी)
सुल्तान सिंह-अनीता सिंह
(अध्यक्ष जिला सहकारी संघ, मथुरा)
चंद्रपाल सिंह 'पहलवान'-ममता सिंह
(अनुजभ्राता-अनुजवधू)
राकेश तरकर-मधु सिंह (पुत्र-पुत्रवधु)
कंचन-अजय भाटी, प्रिया-आशीष तोमर
गुन्जन-अनुकांत राघव (पुत्री-दामाद)
आराध्य तरकर (पौत्र) ख्याति तरकर (पौत्री)
एवं समस्त तरकर परिवार

अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस कल

खेलों से विकास और शांति का संदेश

मुख्य संवादाता

यूनिक समय, मथुरा। हर साल छह अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस (विकास और शांति के लिए) मनाया जाता है। इस दिन का मकसद लोगों को यह बताना है कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने का एक मजबूत जरिया भी हैं। इस दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2013 में की गई थी। छह अप्रैल का दिन खास होता है, क्योंकि इसी दिन साल 1896 में आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई थी। तब से हर साल इस दिन दुनिया भर में खेलों के महत्व को लेकर कार्यक्रम किए जाते हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार यादव ने बताया कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी हैं। खेल खेलने से शरीर फिट रहता है और दिमाग भी तेज होता है। खासकर बच्चों और युवाओं के लिए खेल बहुत फायदेमंद है। इससे उनमें अनुशासन, टीम वर्क और आगे बढ़ने की भावना विकसित होती है। जिले में भी इस मौके पर स्कूल, कॉलेज और अन्य संस्थानों में खेल प्रतियोगिताएं रैली और जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित किया जाता है। आजकल बच्चे और युवा मोबाइल और इंटरनेट में ज्यादा समय बिताते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। ऐसे में खेलों की ओर ध्यान देना बहुत जरूरी है। खेल न केवल शरीर को मजबूत बनाते हैं, बल्कि तनाव को भी कम करते हैं और मन में शांति रहती है। उन्होंने कहा कि खेल समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाने का भी काम करते हैं।

स्वस्थ जीवन, अनुशासन और एकता बढ़ाने में खेलों की अहम भूमिका : जिला क्रीड़ा अधिकारी

महंगाई और गैस ने मजदूरों को छुड़वाए शहर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के गांवों से परिवार के पालन–पोषण करने के लिए अपने गांवों से कमाने के लिए दिल्ली, गुड़गांव, गाजियाबाद आदि विभिन्न स्थानों पर मजदूर व ठेला लगाने व होटलों पर काम करने के लिए गए थे, जिन सपनों के साथ उन्होंने शहर की राह पकड़ी थी, वे कुछ ही समय के बाद अपने गांव लौट कर वापस आ गए। अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते बढ़ी महंगाई, जरूरी चीजों की कमी और रोजगार में आई गिरावट ने उनकी जिंदगी को मुश्किलों में डाल दिया है। मजदूरों का कहना है कि पहले जहां उन्हें आसानी से काम मिल जाता था वहीं अब कई–कई दिन तक खाली बैठना पड़ रहा है। ऊपर से खाने–पीने और रहने का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी रसोई गैस सिलेंडर की हो रही है, जो या तो मिल नहीं रहा या बहुत महंगा मिल रहा था। दिल्ली में ठेला लगाने वाले रामू सिंह ने बताया कि हम लोग बड़ी उम्मीद लेकर एनसीआर गए थे कि कुछ कमा कर परिवार की हालत सुधारेंगे, लेकिन

वहां हालात इतने खराब हो गए कि दो वक्त का खाना जुटाना भी मुश्किल हो गया। गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा और जो मिल रहा है वह बहुत महंगा है। ऐसे में वहां रहना हमारे बस की बात नहीं रही, इसलिए मजबूरी में गांव लौटना पड़ा।

ठेला लगाने वाले मोहनलाल ने कहा, पहले ठेला लगाकर अच्छी खासी कमाई होती थी लेकिन गैस का असर सीधा दिखने लगा जो मिल रहा था वो काफी मंहगा मिल रहा था, लेकिन कई दिनों तक वह भी समय से नहीं मिलता। यहां तक किराया देना भी मुश्किल हो गया था। सोनू कुमार का कहना है, हम लोग कमाने के लिए गए थे, हर चीज मंहगी हो रहीं थी, युद्ध की वजह से मिस्त्री भी काम बंद करके बैठे थे, ऊपर से न तो पत्थर व नहीं ट्राईल्स आ रहीं थी काम बंद से ही हो गए थे। रामहेत सिंह ने बताया कि महंगाई ने हालत खराब कर दी है। गैस, नहीं मिल रहीं थी जो काम उस होटल पर करते थे वो भी बंद होने के कगार पर आ गया था, गुडगांव में तो लकड़ी भी आसानी से नहीं मिल रही थी। होटल पर काम करने वाले धर्मवीर सिंह ने कहा कि हम लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए शहर गए थे, लेकिन अब वहां कोई सहारा नहीं बचा। काम नहीं, पैसे नहीं और ऊपर से खर्चा अलग–इन सब कारणों से हमें वापस गांव आना पड़ा। पप्पू सिंह ने बताया कि गांव में भले ही काम कम है, लेकिन कम से कम अपने लोग साथ हैं और खर्च भी कम है। शहर में तो हर चीज के लिए पैसे चाहिए जो अब हमारे पास नहीं थे। रोटी भी समय से नहीं मिल पा रही थी क्योंकि सिलेंडर हीं नहीं मिल पा रहे थे।

रोजगार की तलाश में गए थे, मजबूरी में गांव लौटे

महंगाई, गैस संकट और काम की कमी से परेशान होकर एनसीआर से अपने घर लौटे मजदूर

शहर में दो वक्त का खाना जुटाना भी हुआ मुश्किल

सुगम संगीत से सजी सांगीतिक संध्या, छात्राओं ने बांधा समां

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को "सुगम" शीर्षक से एक भव्य सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पल्लवी सिंह के संरक्षण एवं संगीत विभाग की गायन प्रवक्ता डॉ. आम्रपाली के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर पल्लवी सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के विग्रह पर माल्यार्पण के साथ किया गया। छात्राओं ने सुगम संगीत शैली पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंशिका वर्मा, कीर्ति गोस्वामी, अदिति चतुर्वेदी, शनाया, आशू, सोनम, रिया, अर्चना एवं शीतल ने अपनी शानदार गायन प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में प्रोफेसर तनूजा अग्रवाल, कविता कनौजिया, डॉ. श्वेता केशरी, डॉ.अनूपम मिश्रा, रेखा रानी, डॉ. निधि शर्मा, डॉ. रीना, डॉ. रिचा सिंह, डॉ.रूमी, डॉ. विनीता, डॉ. निति एवं डॉ. प्रतिमा सहित अन्य प्रवक्ता गण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

क्या कहता है आयुर्वेद

खाना खाकर तुरंत पानी पीना ठीक या गलत?

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप भी खाना खाने के तुरंत बाद पानी पी लेते हैं? अगर हां, तो आपको अपनी इस आदत को तुरंत सुधार लेना चाहिए वरना आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। कुछ लोग खाना खाने से पहले पानी पीते हैं, तो वहीं कुछ लोग खाना खाते–खाते पानी पी लेते हैं और कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना खाते–खाते या फिर खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने की वजह से आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है?

आइए जानकारी हासिल करते हैं कि आखिर आपको खाना खाने के कितनी देर बाद पानी पीना चाहिए।

30 मिनट के बाद पिएं पानी: आयुर्वेद के मुताबिक आपको खाना खाने के कम से कम 20–30 मिनट के बाद ही पानी पीना चाहिए। अगर आप खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीते हैं, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर नहीं पड़ता है। यानी अगर आप अपने डाइजेस्टिव सिस्टम को डिस्टर्ब नहीं करना चाहते, तो आपको खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

खाने के बाद पानी पीना: खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आपकी इस आदत की वजह से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खाने के एकदम बाद पानी पीने से डाइजेशन प्रोसेस धीमा हो जाता है। यही वजह है कि आयुर्वेद में खाने के तुरंत बाद पानी पीने से मना किया जाता है।

गौर करने वाली बात : आयुर्वेद के मुताबिक खाने को अच्छी तरह से चबाकर खाना चाहिए। अगर आप बड़ी–बड़ी बाइट्स बिना चबाए निगल जाएंगे, तो आपकी गट हेल्थ पर नेगेटिव असर पड़ सकता है और आप पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार बन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहते हैं कि आपका खाना अच्छी तरह से डाइजेस्ट हो पाए, तो आपको खाने और सोने के बीच में भी कम से कम दो से तीन घंटे का गैप रखना चाहिए।

चावल का पानी देगा शीशे जैसी चमकदार त्वचा

यूनिक समय, मथुरा। चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए अक्सर लोग महंगे और केमिकल युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, जो कभी–कभी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। लेकिन अगर आप एक नेचुरल, सस्ता और असरदार तरीका ढूंढ रही हैं, तो चावल का पानी आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

चावल के पानी में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन त्वचा को नमी देने के साथ–साथ उसे साफ और चमकदार बनाते हैं। यह एक नेचुरल टोनर और फेसवॉश की तरह काम करता है, जो चेहरे की खोई हुई चमक वापस लाने में मदद करता है। चावल का पानी बनाना बेहद आसान है। एक कप चावल लें और उसे अच्छे से धो लें। फिर उसमें दो कप पानी मिलाकर उबालें। जब चावल पक जाएं, तो उन्हें छानकर पानी अलग कर लें। इस पानी को ठंडा होने के बाद एक बोतल में भरकर फ्रिज में स्टोर करें। इसे आप 4–5 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

रोजाना सुबह या रात में चेहरे को चावल के पानी से धोना बहुत लाभदायक होता है। इस्तेमाल से पहले बोतल को अच्छे से शेक करें ताकि सारा रस अच्छे से मिल जाए। अब इसे चेहरे पर स्प्रे करें या कॉटन की मदद से लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और 10 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। अगर आपकी त्वचा बहुत संवेदनशील है, या आपको एलर्जी, खुजली या स्किन इंफेक्शन की समस्या है, तो चावल का पानी लगाने से पहले स्किन स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें। नेचुरल स्किन केयर में रुचि रखने वालों के लिए चावल का पानी एक बेहतरीन विकल्प है, जो त्वचा को बिना किसी साइड इफेक्ट के शीशे जैसी चमक दे सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में तैयार जालीदार ढोकला

गर्मी में बनाकर ठंडा–ठंडा खाएं

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में ठंडा–ठंडा ढोकला खाने में बहुत टेस्टी लगता है। ढोकला पेट के लिए भी अच्छा होता है। आप सिर्फ 15 मिनट में एकदम जालीदार और स्पंजी ढोकला बनाकर तैयार कर सकते हैं। आप बिना सोडा के ये ढोकला तैयार कर सकते हैं। जानिए ढोकला की आसान रेसिपी।

बिना सोडा ढोकला की रेसिपी: ढोकला बनाने के लिए आपको एक कप बेसन लेना है। बेसन को छान लें। अब जिस कप से बेसन लिया है उसका आधा कप दही ले लें। अब दही में इतना पानी डाल दें कि पूरा कप भर जाए। अब पानी और दही को मिलाकर छाछ जैसी बना लें। बेसन में दो पिंच हल्दी डाल दें और थोड़ा नमक डालते हुए बेसन को घोल लें। अब कम से कम पांच मिनट बेसन को फेंटते रहें। बेसन को घोलते वक्त आपको ध्यान रखना है कि एक साइड ही फेंटना है। बेसन को ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। अब आपको जिस कड़ाही, पतीला या स्टैंड में ढोकला बनना है उसमें पानी को उबलने के लिए रख दें। ऊपर से कोई स्टैंड रख दें और जिस बर्तन में ढोकला बनाना है उसे हल्का ग्रीस कर लें। अब ढोकला के मिक्सचर को 2–3 मिनट के लिए और घोल लें। अगर ज्यादा पतला घोल लगे तो 1 स्पून बेसन और मिला लें। अब 1/4 चम्मच बेकिंग पाउडर और 1 पाउच ईनो को मिक्स कर दें। अगर बेसन को घोल को बहुत देर तक घोलकर रखा है तो इसे बिना बेकिंग पाउडर के सिर्फ ईनो से बना सकते हैं। ईनो तभी डालें जब कड़ाही में पानी अच्छी तरह से गर्म हो जाए। ईनो डालते ही बेसन के बैटर को ढोकला बनाने वाले बर्तन में डालें और कड़ाही में उबल रहे पानी के ऊपर स्टैंड रखकर ऊपर से बैटर वाला बर्तन रख दें। ऊपर से कड़ाही को लिड से कवर करके 15 मिनट के लिए हाई फ्लेम पर पकने दें। आप चाहें तो 8 मिनट के बाद गैस को हल्का मीडियम कर दें। 15 मिनट के लिए ढोकला को बिल्कुल न खोलें और फिर ढोकला को चेक कर लें। बीच में चाकू डालकर देख लें अगर बिना बैटर चिपके चाकू निकल आए तो समझ लें ढोकला बन गया है। अब गैस बंद कर दें और ढोकला को ऐसे ही ठंडा होने के लिए छोड़ दें। ढोकला का तड़का बनाने के लिए एक पैन में 1–2 चम्मच सरसों का तेल डालें और उसमें राई, लंबी कटी हरी मिर्च और करी पत्ता डाल दें। इसमें 1 बड़ा कप पानी डालें और 2 चम्मच चीनी डाल दें।

खट्टा करने के लिए 1 नींबू का रस मिला दें। एक उबाल के बाद गैस बंद कर दे और ठंडा होने दें। अब ढोकला को पीस में काट लें और ऊपर से तैयार इस खट्टे मीठे पानी को ढोकला पर डाल दें। ढोकला शुगर सीरप को अच्छी तरह से सोख लेगा और अब इसे फ्रिज में हल्का ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा–ठंडा ढोकला बनाकर खाएंगे तो मजा ही आ जाएगा।

प्राकृतिक सुंदरता, ठंडे मौसम और शांति के लिए प्रसिद्ध है कोडाइकनाल

यूनिक समय, मथुरा। तमिलनाडु के पश्चिमी घाटों में बसा कोडाइकनाल एक ऐसा पर्वतीय स्थल है, जहां प्रकृति अपनी पूर्णता में विद्यमान है। इसे "दक्षिण भारत का शिमला" कहा जाता है, और यह उपनाम इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता, ठंडी जलवायु और शांत वातावरण को पूरी तरह चरितार्थ करता है। कोडाइकनाल का अर्थ होता है "जंगल में उपहार", और यह सच में एक ऐसा स्थान है जो प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफरों और सुकून की तलाश में घूमने वालों के लिए किसी उपहार से कम नहीं।

कोडाइकनाल का प्रमुख आकर्षण कोडाइकनाल झील है, जो एक कृत्रिम झील है और पूरे शहर के मध्य में स्थित है।

इसकी स्टार के आकार की संरचना इसे और भी खास बनाती है। यहां नौका विहार का आनंद लिया जा सकता है, और झील के चारों ओर बने सुंदर ट्री–लाइन रास्ते पर सैर करने का अलग ही आनंद है। झील के किनारे स्थित कैफे और छोटी दुकानें पर्यटकों को स्थानीय स्वाद और खरीदारी का अवसर देती हैं। ब्रायंट पार्क कोडाइकनाल झील के पास स्थित एक आकर्षक फूलों का बगीचा है, जिसमें रंग–बिरंगे फूलों और दुर्लभ पौधों की विविधता देखने को मिलती है। यह स्थान न सिर्फ पर्यटकों को ताजगी से भर देता है, बल्कि फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह एक स्वर्ग के समान है। साल में एक बार यहां फूलों की प्रदर्शनी भी आयोजित होती है, जो विशेष आकर्षण का केंद्र होती है।

प्राकृतिक दृश्य देखने के शौकीन लोगों के लिए कोकर वॉक, जिसे सुहाना पहाड़ी भी कहा जाता है, एक अद्भुत स्थान है। यह एक संकीर्ण पथ है जो घाटी के किनारे से होकर गुजरता है और यहां से कोडाइकनाल की घाटियों और पर्वतों का भव्य दृश्य दिखाई देता है, खासतौर पर सूर्योदय और सूर्यास्त के समय।

पिलर रॉक कोडाइकनाल की ऊंची चट्टानों का समूह है, जो लगभग 400 फीट ऊंचे हैं। यहां का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है और पर्यटक यहां आकर ट्रैकिंग और फोटोग्राफी का आनंद लेते हैं। इसी तरह साइलेंट वैली व्यू भी एक शांत स्थान है, जहां से पूरी घाटी का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

कोडाइकनाल के नजदीक स्थित गोल्डन वैली और कुन्नू वॉटरफॉल जैसे झरने साहसिक और प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श स्थल हैं। गिरते हुए झरनों की आवाज और आसपास की हरियाली एक अनोखा अनुभव प्रदान करती है। यहां की ठंडी हवा, नीला आकाश और हरी घाटियाँ मन को सुकून देती हैं।

शिवाजी पार्क बच्चों और परिवारों के साथ समय बिताने के लिए एक आदर्श स्थान है। यहां खेलने की सुविधाएं और हरियाली बच्चों को खूब भाती है। इसके अलावा वैली व्यू से घाटियों और पहाड़ियों का दृश्य बेहद अद्भुत होता है। कोडाइकनाल के पास स्थित नैकलूट गांव एक शांत और सरल जीवन जीने वालों के लिए आदर्श गंतव्य है।

यहां की हरियाली, ग्रामीण वातावरण और साफ हवा मन को शुद्ध करती है और शहर के शोरगुल से दूर शांति प्रदान करती है। कोडाइकनाल सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है जो जीवन भर याद रहता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और विभिन्न स्थल हर उम्र के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर आप प्रकृति के करीब रहकर कुछ दिन सुकून से बिताना चाहते हैं, तो कोडाइकनाल आपके लिए एक आदर्श गंतव्य हो सकता है।

सुविचार

असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का पहला कदम है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्थी 12:00-02:10 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा 12:07- 02:56 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	6:08 AM	चन्द्रोदय	10:45 PM
सूर्यास्त	6:35 PM	चंद्रास्त	09:01 AM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त	11:57AM -12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:32-05:20
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:41 AM: 09:15 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गरीब से अमीर बना देगा इन चीजों का गुप्त दान

भर-भर कर आएगा पुण्य, अधूरे काम होने लगेंगे पूरे!

यूनिक समय, मथुरा। दान तो सभी करते हैं, लेकिन गुप्त दान की महिमा सामान्य दान से बहुत बड़ी है। उज्जैन के आचार्य का दावा है कि अगर आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर है तो गुप्त दान आपका जीवन बदल देगा।

हिन्दू धर्म में दान-पुण्य का अत्यधिक महत्व बताया गया है। कई व्रत और पूजा बिना दान के अधूरे माने जाते हैं। दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दान से बढ़कर गुप्त दान का महत्व है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि व्यक्ति कुछ चीजों का गुप्त दान करे तो उसकी आर्थिक स्थिति में तेजी से सकारात्मक बदलाव आते हैं। गरीब व्यक्ति भी धीरे-धीरे अमीर होने लगता है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानें गुप्त दान किसका करें?

दान पुण्य तो हर कोई करता है।

लेकिन, ऐसा दान जो किसी को बताकर ना किया जाए यानी चुपचाप किया जाए, वह गुप्त दान है। इसमें दान करने के न तो पहले और न ही बाद में किसी को कुछ बताया जाता है। गुप्त दान से मतलब है कि दान करने की बात केवल आप तक ही सीमित रहे। शास्त्रों में तो यहां तक लिखा है कि गुप्त दान ऐसा हो यदि दाएं हाथ से चीजें दान करें तो बाएं हाथ को खबर न हो।

शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे या पात्र का गुप्त दान करने का फल भी लंबे समय तक मिलता है। शिव मंदिर में लोटे का गुप्त दान जरूर करना चाहिए। हर दिन कई लोग मंदिर जाते हैं। वहां बैठकर पूजा-पाठ करते हैं। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करते समय आसन पर बैठना जरूरी होता है। यदि आप किसी मंदिर में आसन का गुप्त दान करें तो जितने भी लोग उस पर बैठकर पूजा करेंगे, उस पूजा का कुछ पुण्य फल आपको मिलेगा। बहुत प्रयास के बाद भी सफलता हाथ नहीं लग रही और जीवन में कष्ट है तो माचिस का गुप्त दान करें। इसके लिए आप मंदिर में मंगलवार के दिन कुछ माचिस रखकर आ सकते हैं। ऐसा करने से काफी लाभ होता है। आपने दीपदान के बारे में काफी सुना, पढ़ा और देखा भी होगा। बेहतर फोकस, स्पष्ट दृष्टि के लिए आप किसी मंदिर में दीपदान करें। आपको इसका जबरदस्त फायदा नजर आएगा, पर इसकी चर्चा किसी से न करें। अक्सर देखा जाता है कई लोग किसी भंडारे या लंगर में दान करते हैं। लेकिन, अगर वो नमक का दान करें और इसे गुप्त रखें तो महा पुण्य प्राप्त होता है। नमक सस्ता भी होता है। लिहाजा इस दान को अवश्य करें धन-समृद्धि बढ़ती है।

घर की तंगी और कलह का रामबाण इलाज बस ये उपाय!

यूनिक समय, मथुरा। एक समय था जब संयुक्त परिवारों में पीढ़ियाँ साथ रहती थीं। आपसी प्रेम, समझदारी और सहयोग से घरों में सुख-शांति का वातावरण बना रहता था। परंतु आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी और बदलते सामाजिक ढाँचे ने पारिवारिक संबंधों में खटास घोल दी है। छोटी-छोटी बातों पर तकरार, मतभेद और रिश्तों में दरार आम हो गई है। पति-पत्नी, भाई-भाई या ननद-भाभी के बीच अक्सर कलह देखने को मिलती है।

ज्योतिषाचार्य अजय कुमार तैलंग बताते हैं कि गृह कलह का कारण अशुभ ग्रहों की दशा और घर में मौजूद वास्तु दोष हो सकता है। ऐसे में कुछ सरल ज्योतिष उपायों से इस स्थिति से राहत पाई जा सकती है।

गृह कलह से मुक्ति के उपाय: घर के पूजा स्थल में मोरपंख या मोरपंख से बनी झाड़ू रखें। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और शांति का संचार करता है।

ग्रह दोष निवारण: यदि शनि, राहु या मंगल जैसे ग्रह दोषपूर्ण स्थिति में हैं, तो उनसे संबंधित वस्तुओं का दान करें। साथ ही मंत्र जाप, पूजा-पाठ एवं रत्न या रुद्राक्ष धारण करना लाभकारी रहता है।

रोग-निवारण उपाय: परिवार के किसी सदस्य के बार-बार बीमार पड़ने पर मोरपंख को सभी कमरों में घुमाएं और रोगी के चारों ओर गोल-गोल फेरें। साथ में भगवन्नाम का जप करें।

बुरी शक्तियों से रक्षा: 'श्रीराम जय राम जय जय राम' का कीर्तन नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है। इससे ऊपरी बाधाओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

प्रेम-भावना बढ़ाने का उपाय: रोजाना पहली रोटी के चार टुकड़े करें - एक काले कुत्ते को, एक गाय को, एक कौए को और एक चौराहे पर रखें। इससे घर में प्रेम, सामंजस्य और सुख-शांति बनी रहती है।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई, दिन शुक्रवार: वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई, दिन मंगलवार: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई, दिन बुधवार: अपरा एकादशी
- 14 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई, दिन शुक्रवार: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अमावस्या, पहली शनि अमावस्या
- 20 मई, दिन बुधवार: वरद चतुर्थी
- 27 मई, दिन बुधवार: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

कल का राशिफल

मेष: सप्ताह की शुरुआत गहन सोच के साथ होगी। भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। मध्य में उत्साह बढ़ेगा और नए कामों की प्रेरणा मिलेगी। अंत में करियर पर ध्यान दें।

वृषभ: रिश्तों में धैर्य की आवश्यकता रहेगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। सप्ताह के अंत में मानसिक स्पष्टता बढ़ेगी।

मिथुन: दिनचर्या सुधारने और अधूरे काम पूरे करने का समय है। मध्य में साझेदारी लाभ देगी। सप्ताहांत में वित्तीय योजना बनाएं।

कर्क: रचनात्मकता और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। सेहत और दिनचर्या पर ध्यान दें। रिश्तों में तालमेल बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह: पारिवारिक मामलों में संवेदनशीलता दिखानी होगी। मध्य में आत्मविश्वास बढ़ेगा। अंत में जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा।

कन्या: संवाद और समझदारी से काम लें। परिवार के मामलों में संतुलन जरूरी है। सप्ताहांत में कार्यक्षमता बढ़ेगी।

तुला: आर्थिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित रहेगा। मध्य में बातचीत से लाभ मिलेगा। अंत में परिवार को समय देना जरूरी होगा।

वृश्चिक: आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी रखें। सप्ताहांत में योजनाएं सफल होंगी।

धनु: शुरुआत में आत्ममंथन का समय है। मध्य में ऊर्जा और उत्साह लौटेगा। अंत में आर्थिक स्थिरता पर ध्यान दें।

मकर: मित्रों और टीम का सहयोग मिलेगा। मध्य में आत्मचिंतन बढ़ेगा। अंत में आत्मविश्वास के साथ कार्य पूरे होंगे।

कुंभ: करियर पर फोकस रहेगा। मध्य में सामाजिक सहयोग मिलेगा। सप्ताहांत में मानसिक शांति की जरूरत होगी।

मीन: नई सीख और अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति के संकेत हैं। सप्ताहांत में टीमवर्क से सफलता मिलेगी।

माता सीता के शोक को हरने वाला अशोक वृक्ष

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में अशोक के पवित्र वृक्ष को बहुत शुभ बताया गया है। मान्यता है कि घर में इस वृक्ष के होने से सभी तरह के दूख दूर हो जाते हैं और संताप हरता है। यह वृक्ष दुख को सोख लेता है। हिंदू धर्म में अशोक वृक्ष का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से सभी रोग और दुख दूर होते हैं और कई कष्टों से मुक्ति भी मिलती है। "तरु अशोक मम करहूं अशोका" माता सीता कहती हैं कि लंका में अशोक वृक्ष ने मेरी विरह वेदना को दूर किया, इसलिए मैं इस वृक्ष का सम्मान करती हूं। माता सीता की विरह वेदना को दूर करने वाले अशोक के वृक्ष के पास महिलाओं की हर समस्या का समाधान है। अशोक की पत्तियों और छाल से कई बीमारियों का इलाज भी किया जाता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में अशोक वृक्ष के होने से सभी तरह की नकारात्मकता दूर होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

भगवान शिव की हुई अशोक वृक्ष से उत्पत्ति : धर्म शास्त्रों में अशोक वृक्ष को विशेष महत्व दिया जाता है। अशोक का शाब्दिक अर्थ है - किसी प्रकार का शोक ना होना। अर्थात जहां यह वृक्ष होता है, वहां सभी प्रकार के दुख, शोक और रोग को यह वृक्ष सोख लेता है और खुशियों में वृद्धि करता है। मान्यता है कि पवित्र वृक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव से हुई थी। अशोक वृक्ष की चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को पूजा की जाती है। मान्यता है कि

अशोक वृक्ष दुख और रोग दूर करता है

अशोक अष्टमी के दिन पूजा करने से न केवल सुख-शांति की प्राप्ति होती है, बल्कि रोग-शोक भी दूर होते हैं।

अशोक वृक्ष का आर्युवेदिक महत्व : ये तो था पौराणिक महत्व, इसके औषधीय गुणों से आयुर्वेदाचार्य और पंजाब स्थित 'बाबे के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' के डॉ। प्रमोद आनंद तिवारी ने रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि अशोक के वृक्ष का आयुर्वेदिक महत्व है। इसे महिलाओं का दोस्त कहें तो ज्यादा नहीं होगा। इसका इस्तेमाल स्त्री रोग और मासिक धर्म की समस्याओं जैसे- भारीपन, ऐंठन, अनियमितता और दर्द को कम करने में भी सहायक है।

आयुर्वेदाचार्य ने बताया कि समस्याओं से राहत पाने के लिए इसे भोजन के बाद दिन में दो बार गर्म पानी या शहद के साथ चूर्ण के साथ ले सकते हैं। अशोक की छाल खून साफ करती है, जिससे महिलाओं की त्वचा में निखार आती है। अशोक की छाल को चेहरे पर लगाने से डेड स्किन से छुटकारा मिलता है। रिसर्च बताती है कि अशोक की छाल पीरियड्स में होने वाले तेज दर्द और ऐंठन, सूजन को कम कर देती है। यह बढ़े हुए वात को नियंत्रित करती है। अशोक के सेवन से वात की समस्या खत्म होती है। इससे पाचन तंत्र भी मजबूत होता है, जिससे कब्ज, वात, ऐंठन, दर्द में राहत मिलती है। अशोक के पेड़ में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी विभिन्न रोगों से रक्षा करने में सहायक होते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में ग्लाइकोसाइड्स, टैनिन, फ्लेवोनोइड्स तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए टॉनिक के रूप में काम करते हैं। अशोक के पेड़ की जड़ें और छाल मुहासे और त्वचा संबंधित समस्याओं को दूर करने में सहायक हैं। आयुर्वेदाचार्य प्रेग्नेंसी के दौरान और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से ग्रसित लोगों को इसके इस्तेमाल में सावधानी बरतने और बिना डॉक्टर के परामर्श के इस्तेमाल न करने की सलाह देते हैं।

सम्पादकीय

न्यूनतम अंक भी नहीं मिलना शिक्षा पर सवाल

आज के दौर में रोजगार और शिक्षा के बीच का संबंध पहले से कहीं अधिक जटिल होता जा रहा है। एक ओर जहां देश में बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर यह भी देखने को मिल रहा है कि नौकरी के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में बड़ी संख्या में युवा न्यूनतम अर्हता अंक तक प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी खड़ा करती है। हाल ही में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद युवाओं का बुनियादी ज्ञान स्तर अपेक्षित नहीं है। स्कूल लेक्चरर जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए आयोजित परीक्षाओं में हजारों अभ्यर्थियों का शामिल होना और उनमें से बहुत कम का न्यूनतम अंक तक न पहुंच पाना यह दर्शाता है कि डिग्री और वास्तविक ज्ञान के बीच बड़ा अंतर मौजूद है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब यही युवा भविष्य में शिक्षा देने की भूमिका में आने वाले होते हैं।

पवन गौतम
संपादक

आज का परिदृश्य यह भी बताता है कि उच्च शिक्षित युवा, जिनमें इंजीनियर, एमबीए और अन्य पेशेवर डिग्रीधारी शामिल हैं, वे भी चतुर्थ श्रेणी या मल्टी टास्किंग स्टाफ जैसे पदों के लिए आवेदन कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल रोजगार की कमी नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट भी है। जब योग्य पदों के लिए योग्य उम्मीदवार नहीं मिलते और साधारण पदों के लिए अत्यधिक भीड़ उमड़ती है, तो यह असंतुलन पूरे तंत्र की कमजोरी को उजागर करता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

इस स्थिति के पीछे कई कारण हो सकते हैं। शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता की कमी, परीक्षा प्रणाली में खामियां, रटने पर आधारित शिक्षा पद्धति और व्यावहारिक ज्ञान की अनदेखी–ये सभी कारक मिलकर इस संकट को जन्म दे रहे हैं। इसके अलावा, कोचिंग संस्थानों की बढ़ती संख्या भी इस समस्या का समाधान नहीं कर पा रही, क्योंकि वहां भी अक्सर परीक्षा पास करने की तकनीक सिखाई जाती है, न कि विषय की गहराई। समाधान के लिए जरूरी है कि शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम न माना जाए, बल्कि उसे ज्ञान और कौशल विकास का सशक्त साधन बनाया जाए। सरकार, शिक्षण संस्थान और समाज–सभी को मिलकर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, यह स्थिति न केवल युवाओं के भविष्य को प्रभावित करेगी, बल्कि देश के विकास की गति को भी धीमा कर देगी।

नजरिया

मतदाता सूची विवाद से उठता लोकतंत्र का प्रश्नचिन्ह

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर संकट का सामना कर रहा है। जैसे-जैसे राज्य में विधानसभा चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक हिंसा, अराजकता और अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक तंत्र के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है।

हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसएआर) के दौरान उत्पन्न असंतोष और तनाव इस दिशा में चिंताजनक संकेत हैं। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसे पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से संपन्न किया जाना चाहिए। जब इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जाता है या अधिकारियों पर दबाव बनाया जाता है, तो चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाती है। हाल ही में एसएआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाने की घटना इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ाती है। इसमें शामिल महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाना और भी चिंताजनक है। यह घटना केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करती है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 1970 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान राज्य में हिंसा का एक लंबा दौर चला। इसके बाद वामपंथी शासन में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा समय–समय पर देखने को मिली। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में उभरकर सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के समय बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती है। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। न्यायालय समय–समय पर राज्य सरकार को कड़े निर्देश देता रहा है और कानून व्यवस्था

बनाए रखने की जिम्मेदारी याद दिलाई है। लेकिन यह भी चिंताजनक है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव दिखाई नहीं देता। इससे यह सवाल उठता है कि क्या राज्य प्रशासन और सत्तारूढ़ दल इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम हैं या इच्छुक नहीं हैं। यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। राजनीतिक बौखलाहट भी बढ़ती अराजकता का कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रहती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास है। जब मतदाता को यह लगे कि चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर हो जाती है। प्रशासनिक तंत्र की भूमिका इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी बंधक बनाए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाते, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा, तो जनता में भय और

अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। केवल प्रशासनिक उपायों या न्यायालय की सक्रियता से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। नागरिक समाज को सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। प्रशासनिक निष्पक्षता, राजनीतिक मर्यादा और नागरिक विश्वास–इन तीनों का संतुलन लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर रहेगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकता आवश्यक है। इस संदर्भ में राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका को मिलकर ठोस कदम उठाना होंगे। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। साथ ही, राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें।

विचार विण्डो

विवाह और स्वतंत्रता के बीच बढ़ती खाई का संकट

ललित गर्ग

भारतीय समाज एक ऐसे परिवर्तनकाल से गुजर रहा है, जहां परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस बदलाव का सबसे स्पष्ट प्रभाव विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच उभरते टकराव में दिखाई देता है। जो विवाह कभी जीवन का अनिवार्य और स्थायी आधार माना जाता था, वही आज नई पीढ़ी के लिए विकल्पों में से एक बनता जा रहा है।

हाल के वर्षों में न्यायालयों के सामने आए मामलों ने इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट किया है। विशेष रूप से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो अलग–अलग फैसलों ने इस विषय को बहस के केंद्र में ला दिया। एक ओर न्यायालय ने वयस्कों के बीच सहमति से बने लिव–इन संबंधों को अपराध नहीं माना, भले ही उनमें से एक पक्ष विवाहित हो, वहीं दूसरी ओर ऐसे ही एक मामले में संरक्षण देने से इनकार करते हुए यह कहा गया कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर वैवाहिक अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। ये निर्णय किसी विरोधाभास से अधिक उस सामाजिक और कानूनी संक्रमण का संकेत हैं, जिसमें भारत आज खड़ा है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसी के तहत न्यायालयों ने समय–समय पर लिव–इन संबंधों को वैधता दी है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय समाज और कानून विवाह को एक मजबूत सामाजिक और कानूनी संस्था के रूप में भी स्वीकार करता है। विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, पारिवारिक संरचना और सांस्कृतिक निरंतरता का आधार है। यही कारण है कि जब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक दायित्व आमने–सामने आते हैं, तो टकराव स्वाभाविक हो जाता है।

समस्या का मूल कारण न्यायिक निर्णयों में असंगति नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढांचे की कमी है। वर्तमान कानून विवाह को तो परिभाषित करता है, लेकिन लिव–इन संबंधों और उनके प्रभावों को लेकर स्पष्टता का अभाव है। इससे न केवल कानूनी भ्रम पैदा होता है, बल्कि समाज में असुरक्षा की भावना भी बढ़ती है। ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि एक संतुलित और व्यापक कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो दोनों पक्षों के अधिकारों की रक्षा कर सके।

यदि सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो यह

परिवर्तन अचानक नहीं आया है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने रिश्तों की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता ने रिश्तों के पारंपरिक समीकरणों को बदल दिया है। अब महिलाएं केवल रिश्तों को निभाने के लिए बाध्य नहीं हैं, बल्कि वे अपनी शर्तों पर निर्णय लेने में सक्षम हैं। इससे रिश्तों में समानता और आत्मसम्मान का महत्व बढ़ा है।

नई पीढ़ी के लिए विवाह अब केवल सामाजिक दबाव का परिणाम नहीं, बल्कि एक सोच–समझकर लिया गया निर्णय है। युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, और उसके बाद ही रिश्तों के बारे में सोचते हैं। कई लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, जबकि कुछ लोग रिश्तों को औपचारिक रूप देने से भी बचते हैं। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि आज के युवा रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान और पारदर्शिता को अधिक महत्व देते हैं।

हालांकि, इस परिवर्तन के साथ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जहां लोगों को जोड़ने का काम किया है, वहीं उन्होंने तुलना और अवास्तविक अपेक्षाओं को भी बढ़ावा दिया है। ऑनलाइन डेटिंग और "स्वाइप संस्कृति" ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहां विकल्पों की अधिकता के कारण स्थायित्व प्रभावित होता है। डिजिटल बेवफाई, भावनात्मक दूरी और समय की कमी जैसे मुद्दे भी रिश्तों को कमजोर कर रहे हैं।

पीढ़ियों के बीच दृष्टिकोण का अंतर भी इस समस्या को और जटिल बनाता है। पुरानी पीढ़ी जहां रिश्तों में स्थायित्व, त्याग और समझौते को महत्व देती है, वहीं नई पीढ़ी संतुष्टि, सम्मान और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देती है। दोनों दृष्टिकोण अपने–अपने स्थान पर सही हैं, लेकिन इनके बीच संवाद की कमी टकराव को जन्म देती है। इसलिए समाधान पीढ़ियों के संघर्ष में नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुलन में निहित है।

यह समझना जरूरी है कि विवाह और व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक–दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि दोनों का संतुलन ही स्वस्थ समाज की नींव है। विवाह संस्था समाज को स्थिरता और संरचना प्रदान करती है, जबकि व्यक्तिगत स्वतंत्रता व्यक्ति के आत्मविकास और सम्मान को सुनिश्चित करती है। यदि किसी एक को पूरी तरह नजरअंदाज किया जाए, तो समाज में असंतुलन उत्पन्न होना तय है।

इस संदर्भ में सरकार, न्यायपालिका और समाज–तीनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून को समय के अनुसार अद्यतन करना होगा, ताकि वह बदलते सामाजिक यथार्थ के अनुरूप हो सके। साथ ही, समाज को भी यह स्वीकार करना होगा कि रिश्तों की परिभाषा बदल रही है, और इस बदलाव को नकारने के बजाय समझने की आवश्यकता है।

अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां से रिश्तों का भविष्य तय होगा। यह भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा और न ही पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक संरचना का निर्माण होगा। जहां विवाह संस्था भी सुरक्षित रहेगी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी सम्मानित होगी। यही संतुलन भारतीय समाज को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन पसंदीदा टीम का किया खुलासा

दिल सीएसके के साथ दिमाग आरसीबी की ओर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 11वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी। इस हाई–वोल्टेज मैच से पहले पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का बयान चर्चा में आ गया है, जिसने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। अश्विन ने खुलकर अपनी पसंदीदा टीम का जिक्र किया और दिलचस्प अंदाज में इस मुकाबले को लेकर अपनी राय रखी। अश्विन ने कहा कि उनका दिल हमेशा सीएसके के साथ रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने साफ किया कि भले ही इस सीजन में टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उनकी भावनाएं चेन्नई के साथ ही जुड़ी हैं। खास बात यह है कि एमएस धोनी की गैरमौजूदगी में टीम का

प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर नजर आया है, जिससे टीम की लीडरशिप और संतुलन पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीएसके को इस सीजन में "ओवरवेल्मिंग फेवरेट" कहना सही नहीं होगा। टीम लगातार अपने प्लेइंग इलेवन और रणनीतियों में बदलाव कर रही है, जिससे स्थिरता की कमी साफ दिखाई देती है। अश्विन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए पिछले मैच का जिक्र करते हुए बताया कि उस मुकाबले में सीएसके सिर्फ 127 रन पर सिमट गई थी, जो टीम के लिए बड़ा झटका था। अश्विन के अनुसार, उस मैच में पिच और मौसम दोनों ही चुनौतीपूर्ण थे, लेकिन इसके बावजूद टीम सही कॉम्बिनेशन चुनने में सफल नहीं रही। उन्होंने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर भी सवाल उठाए और कहा कि बार–बार बदलाव करना टीम के प्रदर्शन पर असर डाल सकता है। हालांकि, अश्विन ने आरसीबी की तारीफ भी की और माना कि मौजूदा फॉर्म के हिसाब से बेंगलुरु की टीम ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि जहां उनका दिल सीएसके के साथ है, वहीं उनका दिमाग आरसीबी को इस मुकाबले में बढ़त देता है। अब फैंस के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस मुकाबले में जीत किसकी होगी–दिल की पसंद सीएसके या दिमाग की पसंद आरसीबी । यही अनिश्चितता इस मैच को और भी रोमांचक बनाती है।

अक्षय कुमार–विद्या बालन की फिल्म का टाइटल फाइनल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि वह करीब 15 साल बाद निर्देशक अनीस बज्मी के साथ काम कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी इससे पहले 'वेलकम', 'सिंह इज किंग' और 'थैंक्यू' जैसी सफल फिल्मों में नजर आ चुकी है। अब उनकी नई फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

काफी समय से चर्चा में बनी इस अनटाइटल्ड कॉमेडी फिल्म का नाम आखिरकार सामने आ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार और अनीस बज्मी की इस फिल्म का टाइटल 'राम और श्याम' रखा गया है। यह फिल्म फिलहाल निर्माणाधीन है और इसकी शूटिंग का पहला शेड्यूल 20 जनवरी से मुंबई में शुरू हो चुका है। वहीं, दूसरा शेड्यूल इस महीने के अंत तक कर्जत में शुरू होने की तैयारी है। इस फिल्म की एक और खास बात यह है कि इसमें अक्षय कुमार के साथ विद्या बालन नजर आएंगी। दोनों की जोड़ी पहले भी 'हे बेबी', 'भूल भुलैया' और 'मिशन मंगल' जैसी फिल्मों में पसंद की जा चुकी है। लंबे समय बाद दोनों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा। इनके अलावा फिल्म में राशि खन्ना भी अहम भूमिका में दिखाई देंगी।

रामायण के टीजर पर एआई विवाद

एक्टर ने सीन दिखाकर ट्रोल्स को दिया करारा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया। भव्य विजुअल्स और शानदार प्रोडक्शन वैल्यू के कारण फिल्म को जहां एक ओर खूब सराहा गया, वहीं दूसरी ओर एक खास सीन को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया। कुछ यूजर्स ने आरोप लगाया कि फिल्म के एक दृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया है। दरअसल, टीजर में एक सीन दिखाया गया है, जिसमें रणबीर कपूर अयोध्या में अपनी प्रजा के बीच से गुजरते नजर आते हैं। इसी दौरान एक सहायक कलाकार की पगड़ी का रंग नीले से बैंगनी होता दिखाई देता है। इस छोटे से बदलाव

को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने सवाल उठाए और इसे एआई जनरेटेड सीन करार दे दिया।

अब इस विवाद पर सीन में नजर आए एक्टर साकेत ने खुद सामने आकर सच्चाई बताई है। साकेत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा करते हुए साफ किया कि यह पूरा सीन वास्तविक है और इसे किसी भी तरह की एआई तकनीक से नहीं बनाया गया है। उन्होंने बताया कि यह शूटिंग लगभग दो साल पहले एक असली सेट पर की गई थी, जिसमें असली कलाकार और बड़ी संख्या में एक्स्ट्रा मौजूद थे।

साकेत ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनके दोस्त उन्हें सोशल मीडिया पोस्ट भेज रहे थे, जिनमें लोग इस सीन को फर्जी बता रहे थे। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "लोग तो यह तक मानने को तैयार नहीं हैं कि मैं असली हूं।" उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने खुद इस सीन में रणबीर कपूर के साथ काम किया है और पूरा माहौल बिल्कुल वास्तविक था। साकेत ने अंत में तंज कसते हुए कहा, "2026 में अगर कोई चीज बहुत परफेक्ट दिखती है, तो लोग उसे नकली मान लेते हैं।" इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया बदलते हुए फिल्म की टीम की तारीफ की है।

पहली शादी 2 महीने में टूटी, फिर शबाना रजा संग बसाया घर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनोज बाजपेयी आज हिंदी सिनेमा के सबसे सशक्त और प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं। अपने दमदार अभिनय और अलग तरह के किरदारों के लिए मशहूर मनोज ने इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई है। जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही, वहीं उनकी निजी जिंदगी अक्सर लाइमलाइट से दूर ही रही है। खासकर उनकी पहली शादी का किस्सा आज भी कम ही लोगों को पता है। दरअसल, शबाना रजा से शादी से पहले मनोज बाजपेयी एक बार शादी कर चुके थे। उनकी पहली शादी दिल्ली की रहने वाली दिव्या नाम की लड़की से हुई थी, जो एक समृद्ध परिवार से थीं। दोनों की मुलाकात दिल्ली के मशहूर 'एक्ट वन' थिएटर ग्रुप में हुई थी। थिएटर के दौरान ही दोनों करीब आए और एक–दूसरे से प्यार करने लगे। हालांकि, इस रिश्ते को दोनों के परिवारों की मंजूरी नहीं मिली थी। परिवार के विरोध के बावजूद मनोज और दिव्या ने शादी करने का फैसला किया। दोनों ने दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित एक मंदिर में पुलिस सुरक्षा के बीच विवाह किया। उस समय मनोज बाजपेयी अपने करियर के शुरुआती संघर्ष के दौर में थे और आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। यही परिस्थितियां आगे चलकर उनके रिश्ते पर भारी पड़ीं। शादी के कुछ ही समय बाद आर्थिक तंगी और अलग–अलग

मनोज बाजपेयी की निजी जिंदगी का अनसुना किस्सा

सोच के कारण दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं। आखिरकार यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक सका और महज दो महीने में ही दोनों का तलाक हो गया। इस घटना ने मनोज बाजपेयी को अंदर तक झकझोर दिया और उनकी जिंदगी का यह अध्याय आज भी काफी हद तक निजी बना हुआ है। बाद में मनोज की जिंदगी में अभिनेत्री शबाना रजा आईं। दोनों ने करीब आठ साल तक एक–दूसरे को डेट किया और फिर 2006 में शादी कर ली। आज दोनों एक खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रहे हैं और उनकी एक बेटी भी है। वर्क फ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी को 1998 में फिल्म 'सत्या' से बड़ा ब्रेक मिला, जिसके बाद उन्होंने कई यादगार फिल्मों और वेब सीरीज में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

गेंदबाज की रफ्तार 154 किमी प्रति घंटा

अशोक शर्मा बने आईपीएल के सबसे तेज गेंदबाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी रफ्तार से क्रिकेट फैंस को हैरान कर दिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में उन्होंने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद डालकर इस सीजन की अब तक की सबसे तेज गेंद फेंकी। 16वें ओवर में पहले डोनोवन फरेरा के खिलाफ 150.7 किमी/घंटा की रफ्तार पार की, और अंतिम गेंद पर ध्रुव जुरेल को 154.2 किमी/घंटा की तेज गेंद से चौंकाया। यह प्रदर्शन उन्हें आईपीएल 2026 का सबसे तेज गेंदबाज बना देता है। इस सीजन दूसरे नंबर पर एनरिक नॉर्ट्जे हैं, जिनकी तेज गेंद की रफ्तार 150.9 किमी/घंटा है। अशोक ने केवल अपने दूसरे आईपीएल मैच में ही 145+

किमी/घंटा की गति से लगातार गेंदबाजी कर भविष्य के बड़े स्टार बनने की उम्मीद जगाई है।

हालांकि, तेज गेंदबाजी के बीच राजस्थान के ध्रुव जुरेल ने 42 गेंदों में 75 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी पारी में पांच छक्के और पांच चौके शामिल थे, जिसमें खासतौर पर राशिद खान के खिलाफ लगाया गया छक्का मैच का हाईलाइट रहा। मैच की शुरुआत भी ओपनिंग जोड़ी यशस्वी जायसवाल (55) और वैभव सूर्यवंशी (31) ने मजबूत की, जिन्होंने 6.2 ओवर में 70 रन जोड़कर टीम को शानदार प्लेटफॉर्म दिया। अशोक शर्मा की रफ्तार भले ही रोमांचक रही, लेकिन लगातार हाई–स्पीड गेंदबाजी से चोट का जोखिम भी बढ़ता है। मयंक यादव और उमरान मलिक जैसे तेज गेंदबाजों की फिटनेस समस्याएं इससे पहले सामने आ चुकी हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को उनकी वर्कलोड और फिटनेस पर खास ध्यान देना होगा। इस मैच में अशोक शर्मा ने साबित कर दिया कि आईपीएल में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि तेज रफ्तार और निरंतरता का संतुलन भी मैच का बड़ा फैसला कर सकता है। उनके करियर में अब निरंतरता और फिटनेस उतनी ही महत्वपूर्ण होगी जितनी उनकी रफ्तार।

मेरठ में आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश, कई चौंकाने वाले खुलासे

युवाओं को बहला कर रची जा रही थी खतरनाक साजिश

यूनिक समय, मेरठ। उत्तर प्रदेश में एक बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता ने मेरठ और आसपास के इलाकों में सक्रिय एक संदिग्ध मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जिसके तार पाकिस्तान से जुड़े बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया कि इस नेटवर्क में युवाओं को बहला–फुसलाकर शामिल किया जा रहा था और उनकी पहचान का उपयोग सुरक्षा जांच से बचने के लिए किया जा रहा था।

मुख्य आरोपी शाकिब को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसे विदेश में बैठे संचालकों से निर्देश मिलते थे। आरोप है कि इन निर्देशों के तहत संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाने और वीडियो बनाकर भेजने का काम कराया जा रहा था।

बताया जा रहा है कि इस मॉड्यूल ने अपनी गतिविधियों को छिपाने के लिए अलग–अलग नामों और पहचान का इस्तेमाल किया। कुछ युवाओं को लालच देकर इस नेटवर्क में जोड़ा गया और उनसे विभिन्न स्थानों की जानकारी एकत्र करवाई गई। इसके बदले उन्हें धनराशि भी दी जाती थी।

जांच में एक अंतरराष्ट्रीय कड़ी भी सामने आई है। दुबई में बैठा एक व्यक्ति इस पूरे नेटवर्क के संपर्क सूत्र के रूप में काम कर रहा था और सामाजिक माध्यमों के जरिए युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश करता था। उसके खिलाफ भी मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह कोई अकेला मामला नहीं है, बल्कि इस तरह के तरीके अपनाकर देश में अशांति फैलाने की कोशिश की जा रही है। अधिकारियों ने कहा है कि मामले की गहन जांच जारी है और जुड़े सभी लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई से बड़ा खतरा टला

विदेशी नेटवर्क से जुड़े तार, जांच में सामने आए नए तथ्य

पहचान छिपाकर चल रहा था संदिग्ध तंत्र, एजेंसियां सतर्क

जनसंख्या मुद्दे पर शंकराचार्य का भागवत पर तंज

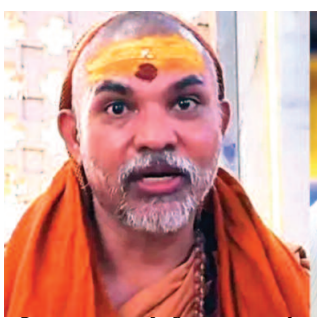

यूनिक समय, बरेली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने रविवार को बरेली में प्रेसवार्ता के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने की बात पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अगर जनसंख्या बढ़ाना इतना जरूरी है, तो मोहन भागवत और उनके समर्थक स्वयं विवाह कर बच्चों के जरिए उदाहरण पेश करें। स्वामी ने यूपी सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि गो हत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और प्रदेश सरकार गो रक्षा को राजनीतिक एजेंडा बना रही है। उन्होंने कहा कि संत समाज राजनीति के लिए नहीं, लोक कल्याण के लिए है। आगामी विधानसभा चुनाव में लोग ऐसी सरकार चुनें जो गो हत्या को रोक सके। अविमुक्तेश्वरानंद एक मई से पूरे प्रदेश का भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोले सीएम

नायकों की अनदेखी पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इतिहास और समाज से जुड़े मुद्दों पर टिप्पणी की, जिसके बाद राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। यह कार्यक्रम भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित किया गया, जहां अकादमी के भवन और दो प्रेक्षागृहों का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कलाकारों को सम्मानित किया और विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। अपने संबोधन में उन्होंने ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का जिक्र करते हुए कहा कि कई ऐसे नायक हैं, जिनके योगदान को समय के साथ भुला दिया गया है, जबकि उनकी वीरता और संघर्ष की कहानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से महाराजा सुहेलदेव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को संकट से मुक्त कराया और उनके जीवन पर आधारित कथाओं को अधिक से अधिक मंचित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सांस्कृतिक मंचों के माध्यम से इतिहास और परंपराओं को जीवंत रखा जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कला और संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्कूलों और महाविद्यालयों में ऐतिहासिक नाटकों के मंचन से युवा पीढ़ी अपने अतीत को बेहतर ढंग से समझ सकेगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद विभिन्न वर्गों में बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग इसे इतिहास के पुनर्स्मरण के रूप में देख रहे हैं, वहीं कुछ इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से जोड़कर देख रहे हैं।

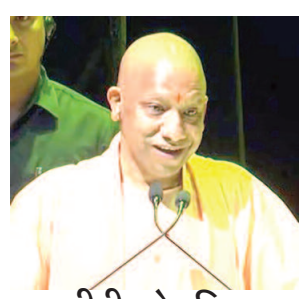

युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने पर दिया जोर

आगरा में लागू होगा नया नगर व्यवस्था मॉडल

एक नंबर और एक मंच से मिलेगी सभी नगर सेवाएं

यूनिक समय, आगरा। आगरा नगर निगम में अब आधुनिक शहरी प्रबंधन को अपनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत एक पोर्टल और एक नंबर की व्यवस्था लागू करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे नागरिकों को शिकायत और सेवाओं के लिए अलग–अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा।

हाल ही में नगर निगम के पार्षदों का एक दल बंगलूरू, मैसूर और ऊटी के अध्ययन दौरे से लौटकर आया है। इस दौरान उन्होंने वहां की नगर व्यवस्थाओं और शहरी सेवाओं की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। विशेष रूप से एकीकृत शिकायत प्रणाली, स्वच्छता प्रबंधन और कर संग्रह की पारदर्शी व्यवस्था पर ध्यान दिया गया। पार्षदों ने देखा कि कैसे एक ही मंच के माध्यम से जलभराव, कूड़ा निस्तारण और अन्य समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है। इसके साथ ही डिजिटल माध्यम से कर संग्रह और कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी प्रभावी पाई गई।

नगर निगम अब इन व्यवस्थाओं को आगरा में लागू करने की दिशा में काम करेगा। इससे न केवल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि तकनीक और जनभागीदारी के बेहतर समन्वय से शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सकता है। आने वाले समय में इन प्रस्तावों को नगर निगम की बैठक में रखा जाएगा, ताकि उन्हें लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा सके।यह पहल शहरवासियों के लिए राहत भरी साबित हो सकती है और नगर सेवाओं को अधिक सरल और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अध्ययन दौरे से लौटे पार्षद नई व्यवस्था पर जोर

स्वच्छता और कर व्यवस्था में आएगी पारदर्शिता

जनभागीदारी और तकनीक से सुधरेगी शहर की व्यवस्था

जलभराव और कूड़ा समस्या का होगा त्वरित समाधान

अभिभावकों को राहत की उम्मीद

निजी किताबों का दबाव: तीन स्कूलों पर जांच के आदेश

यूनिक समय, आगरा। शासनादेश के बावजूद विद्यार्थियों और अभिभावकों पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें खरीदने का दबाव बनाने के मामले में शिक्षा विभाग ने सख्ती दिखाई है। शहर के तीन नामी स्कूलों के खिलाफ जांच के आदेश जारी किए गए हैं, जिससे अभिभावकों में राहत की उम्मीद जगी है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देश हैं कि हाईस्कूल और इंटर स्तर पर एनसीईआरटी की निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का ही उपयोग किया जाए, जो बाजार में सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। इसके बावजूद कुछ स्कूल प्रबंधन विद्यार्थियों को निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि पं. मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल इंटर कॉलेज, कमला नगर सिविल लाइंस स्थित सेंट विंसेट गर्ल्स कॉलेज और सेंट जोसेफ गर्ल्स कॉलेज के खिलाफ शिकायतें मिली हैं। इन स्कूलों में नियमों के विपरीत निजी किताबें खरीदने का दबाव डाला जा रहा है।

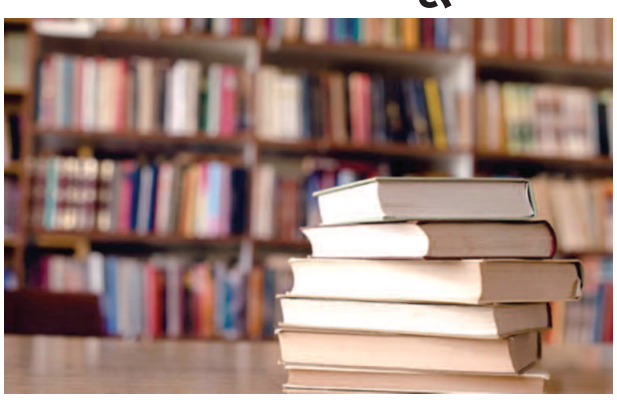

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक (द्वितीय) वीपी सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कदम से अभिभावकों को आर्थिक बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

शासनादेश के बावजूद नियमों की अनदेखी

जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपी जांच

ओलावृष्टि ने उजाड़ीं फसलें 135 बीघा में कुछ नहीं बचा

यूनिक समय, अलीगढ़। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने जिले के किसानों की कमर तोड़ दी है। इगलास और गोंडा क्षेत्र के कई गांवों में खेतों का मंजर पूरी तरह तबाही का है। गोंडा निवासी किसान यतीश चौधरी ने बताया कि उनकी 135 बीघा जमीन में खड़ी गेहूं, मूंग और मक्का की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। हालात ऐसे हैं कि खेतों में भूसा निकालने लायक भी कुछ नहीं बचा। जमीनी हालात देखने पर पता चला कि कई गांवों में 60 से 100 प्रतिशत तक गेहूं की फसल जमीन पर गिर चुकी है। नगला गोवर्धन और आसपास के क्षेत्रों में दूर–दूर तक बिछी फसलें किसानों की बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। किसान गुलवीर ने बताया कि करीब एक घंटे तक ओले गिरते रहे, जिससे पूरी फसल खराब हो गई। कृषि विभाग जहां नुकसान 20 से 25 प्रतिशत बता रहा है, वहीं किसानों का कहना है कि वास्तविक नुकसान इससे कहीं अधिक है। पहले से आलू की कम कीमत से परेशान किसान अब इस प्राकृतिक आपदा से और संकट में आ गए हैं। किसानों ने सरकार से शीघ्र मुआवजे की मांग की है।

कुल्लू में जलोड़ी जोत से लौटते समय हुआ भीषण हादसा

खाई में गिरी 23 पर्यटकों से भरी गाड़ी, चार लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। औट–लुहरी–सैंज राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोझा के पास जलोड़ी क्षेत्र में पर्यटकों से भरी एक सवारी गाड़ी गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, गाड़ी में कुल 23 पर्यटक सवार थे, जो जलोड़ी जोत घूमकर दिल्ली लौट रहे थे। इसी दौरान खराब मौसम और फिसलन भरी सड़क के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे। अंधेरा और कठिन पहाड़ी रास्ता होने के बावजूद पूरी रात बचाव कार्य चलता रहा। घायलों को खाई से निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में तेज गति और चालक की लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह हादसा एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में सावधानी बरतने की आवश्यकता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में वाहन चलाते समय मौसम और सड़क की स्थिति को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।

अंधेरे और कठिन रास्तों के बीच रातभर चला बचाव अभियान, 23 यात्री थे सवार

तेज रफ्तार और फिसलन से बिगड़ा संतुलन, गाड़ी खाई में गिरी

घायलों का अस्पताल में इलाज जारी, प्रशासन ने शुरू की जांच

बेंगलुरु–दिल्ली फ्लाइट में बम की अफवाह से हड़कंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में बम होने की अफवाह से शनिवार शाम को हड़कंप मच गया। यह घटना बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय हुई, जब विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और फ्लाइट को खाली करा लिया गया। जानकारी के अनुसार, एक यात्री को विमान के वॉशरूम में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर लिखा था कि फ्लाइट के अंदर विस्फोटक सामग्री रखी गई है। यात्री ने तुरंत केबिन क्रू को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद स्थिति गंभीर हो गई। एहतियातन फ्लाइट के कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया और सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे विमान की गहन जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा टीमें मौके पर पहुंचीं और हर हिस्से की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि, लंबे सर्च ऑपरेशन के बाद विमान में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। जांच पूरी होने के बाद इस घटना को महज अफवाह करार दिया गया। इसके बाद फ्लाइट को कुछ देर की देरी के बाद अपने गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षा के बीच दोबारा बोर्डिंग कराई गई। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की जांच में जुटी हैं और उस व्यक्ति की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसने यह धमकी भरा नोट लिखा था। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अफवाहें न केवल सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देती हैं, बल्कि यात्रियों में अनावश्यक डर और अफरा–तफरी भी पैदा करती हैं।

सेना ने चलाया सर्च ऑपरेशन

जम्मू–कश्मीर के सांबा में दिखे तीन संदिग्ध

यूनिक समय, नई दिल्ली। इलाके में तीन संदिग्ध देखे जाने के पाद स्थानीय लोगों को अभी अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षाबलों की टीम जगह–जगह नाकेबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले के एक गांव में तीन संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की सूचना मिली है। इसके बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को तलाश अभियान शुरू किया। दरई क्षेत्र के बेध खड्ड के एक निवासी ने सूचना दी कि उसने सूख चुके नाले के किनारे तीन अज्ञात व्यक्तियों को देखा, जिनमें से एक के पास भारी बैग था।

अधिकारियों के अनुसार, उनके पास कोई हथियार तो नहीं दिख रहे थे लेकिन फिर भी उन्हें संदिग्ध आतंकवादी मानते हुए स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह ने सेना और अर्द्धसैनिक बलों की सहायता से तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक संदिग्धों से आमना–सामना नहीं हुआ है।

स्थानीय लोगों को भी अलर्ट रखा गया है। साथ ही किसी बाहरी व्यक्ति को शरण न देने और उससे दूर रहने को कहा गया है।

उत्तराखंड के बागेश्वर में भूकंप के हल्के झटके

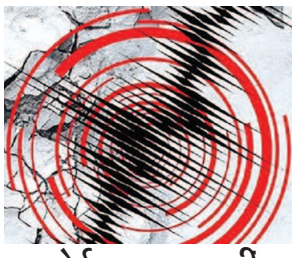

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार यह झटका सुबह 11 बजकर 47 मिनट पर आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.7 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र कपकोट तहसील के कर्मी गांव के पास जमीन के भीतर लगभग 10 किलोमीटर गहराई में स्थित था। झटके इतने हल्के थे कि अधिकांश लोगों को इसका अहसास तक नहीं हुआ और जनजीवन सामान्य बना रहा। जिला मुख्यालय के साथ–साथ गरुड़, कपकोट और कांडा क्षेत्रों में कहीं भी अफरा–तफरी की स्थिति नहीं देखी गई। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन विभाग सक्रिय हो गया और सभी संवेदनशील क्षेत्रों से संपर्क स्थापित किया गया।जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि कहीं से भी जान–माल के नुकसान या भवनों में दरार आने की कोई सूचना नहीं मिली है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों के अनुसार, कम तीव्रता के ऐसे भूकंप आमतौर पर ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाते, फिर भी लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षा उपायों का पालन करने की सलाह दी गई है।

कोई नुकसान नहीं

ट्रंप को रोकने की अपील मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजरायल–अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के पूर्व प्रमुख मोहम्मद अल–बरदेई ने वैश्विक स्तर पर बड़ी अपील की है। उन्होंने खाड़ी देशों और संयुक्त राष्ट्र से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

रोहतास के मैरिज हॉल में छापा, 80 युवक–युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के रोहतास जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने स्थानीय प्रशासन और समाज दोनों को हिला कर रख दिया है। दावथ थाना क्षेत्र के मालियाबाग स्थित एक मैरिज हॉल में पुलिस ने छापेमारी कर 80 युवक–युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। इनमें बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्र–छात्राएं शामिल बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई उस समय की गई जब बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर छापा मारा। जांच के दौरान 39 लड़के और 41 लड़कियां पकड़ी गईं, जिनके खिलाफ दावथ थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए युवाओं में 31 नाबालिग हैं, जिनमें 18 लड़कियां और 13 लड़के शामिल हैं। सभी नाबालिगों का मेडिकल परीक्षण कर उन्हें बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस इसे केवल एक पार्टी नहीं मान रही, बल्कि इसके पीछे किसी संगठित नेटवर्क या अवैध गतिविधि की आशंका जता रही है। एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह के अनुसार, सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है और जल्द ही बड़े खुलासे हो सकते हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों में आक्रोश है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती ऐसी गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

31 नाबालिग निकले

पुलिस जांच में बड़े नेटवर्क की आशंका

सभी को कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू

ईरान ने गिराया अमेरिकी सी–130, जंग हुई और तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव अब और खतरनाक मोड़ लेता दिख रहा है। ताजा घटनाक्रम में ईरान की सैन्य इकाई आईआरजीसी (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) ने दावा किया है कि उसने इस्फहान स्थित परमाणु केंद्र के पास अमेरिका के एक सी–130 एयरक्राफ्ट को मार गिराया है।

यह घटना बीते 36 घंटों में अमेरिकी सेना को लगा एक और बड़ा झटका मानी जा रही है।

ईरान की सरकारी एजेंसी के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय हुई जब अमेरिका और इजरायल ने इस्फहान परमाणु केंद्र को निशाना बनाते हुए हमला किया। ईरानी सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में भारी गोलीबारी की, जिसके बाद अमेरिकी सी–130 सपोर्ट एयरक्राफ्ट को नष्ट करने का दावा किया गया। इससे पहले भी इसी क्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू–9 ड्रोन को मार गिराने की बात सामने आई थी।

ईरान का दावा है कि हाल के संघर्ष में उसने अमेरिका के कई अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों को भी नुकसान पहुंचाया है, जिनमें एफ–35, एफ–15 और एफ–16 जैसे विमान शामिल हैं। इसके अलावा हेलीकॉप्टर, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को भी नष्ट करने का दावा किया गया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है।

इस बीच अमेरिका और इजरायल द्वारा इस्फहान परमाणु केंद्र पर बार–बार हमले किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह पांचवीं बार है जब इस संवेदनशील परमाणु स्थल को निशाना बनाया गया है। इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) पहले ही परमाणु केंद्रों पर हमले न करने की अपील कर चुका है।

ईरान के विदेश मंत्री ने भी चेतावनी दी है कि यदि इस तरह के हमले जारी रहे तो रेडियोएक्टिव विकिरण फैल सकता है, जिससे पूरे मध्य–पूर्व क्षेत्र में गंभीर संकट पैदा हो सकता है। सऊदी अरब, यूएई, कतर और बहरीन जैसे देशों पर इसका असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव जल्द नहीं रुका तो यह संघर्ष बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है, जिसका प्रभाव वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

पूर्णिया में नाबालिग से दुष्कर्म, चार आरोपी फरार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया जिले से एक बेहद गंभीर और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। सिकटी थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की मां ने चार युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना 25 मार्च की बताई जा रही है, जब गांव में धार्मिक कार्यक्रम चल रहा था। पीड़िता की मां भी कार्यक्रम में शामिल थीं। इसी दौरान नाबालिग बच्ची बाहर गई, जहां आरोपियों ने उसे जबरन पकड़कर खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि आरोपियों ने उसे डराने के लिए धमकी भी दी। घटना के बाद बच्ची ने अपनी मां को पूरी जानकारी दी। पारिवारिक और सामाजिक दबाव के कारण शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई, लेकिन बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा है और आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी बीच पटना में भी एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की दूसरी घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य की तलाश जारी है।

रबर सोल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

वाधवा रबर सोल फैक्ट्री में लगी आग के निकलते धुएं के गुबार।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना सिकंदरा क्षेत्र स्थित श्रीजीपुरम इंडस्ट्रियल एरिया में वाधवा रबर सोल फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही फैक्ट्री परिसर और आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं। उप निरीक्षक आशीष त्यागी ने पुलिस बल के साथ राहत एवं सुरक्षा व्यवस्था संभाली। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में रबर और ज्वलनशील सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका बनी रही। यही वजह है कि दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने से फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। शुरुआती स्तर पर शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी कारण की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा, लेकिन आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

मुख्यमंत्री ने मंडलायुक्त नगेंद्र सिंह को एक और जिम्मेदारी सौंपी

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ शीघ्र बैठक और ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बैठक में ताज ट्रिपेजियम जोन (टीटीजेड) में उद्योगों पर प्रतिबंध, उत्तरी बाईपास बनने के बावजूद भारी वाहनों का शहर में प्रवेश, यमुना रिवरफ्रंट विकास तथा आगरा में कृष्ण थीम पार्क जैसे विषय उठाए गए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि टीटीजेड में प्रतिबंध का असर औद्योगिक गतिविधियों, रोजगार सृजन, नए निवेश, स्थानीय उद्यमिता और क्षेत्रीय आर्थिक विकास पर पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने 8 दिसंबर 2021 को उद्योगों के संबंध में आदेश पारित किया था। इसके साथ ही नीरी द्वारा विभिन्न सेक्टर्स के लिए आवश्यक सेक्टोरियल गाइडलाइंस भी निर्धारित की जा चुकी हैं। इसके बावजूद 14 अक्टूबर को पुनः प्रतिबंध लागू हो गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह स्थिति इसलिए बनी क्योंकि न्यायालय के समक्ष सभी प्रासंगिक तथ्य प्रभावी रूप से प्रस्तुत नहीं किए जा सके। सुझाव दिया गया कि मामले में प्रभावी और तथ्यात्मक पैरवी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा के मंडलायुक्त को शासन की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा और वे स्वयं इस विषय से अवगत हैं तथा जल्द ही आगरा आकर इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

रविवार सुबह बर्षा के दौरान सूना पड़ा कस्बा फरह का बाजार।

चौबिया पाड़ा में लगाया आयुष्मान कार्ड का विशेष शिविर

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड 61 एवं वार्ड 64 के अंतर्गत चौबिया पाड़ा में महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष कैम्प लगाया। कैम्प का शुभारंभ भाजपा नेता गोपाल चतुर्वेदी, सचिन चतुर्वेदी एवं कैम्प संयोजक मनीष चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों ने आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना का लाभ उठाया।

राष्ट्रीय समुद्री दिवस पर विशेष

समुद्र से दूर मथुरा, फिर भी समुद्री ताकत से जुड़ा देश

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। भारत में आज राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन वर्ष 1919 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है जब भारतीय जहाज एसएस लॉयल्टी पहली बार मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। इस यात्रा ने भारत के समुद्री व्यापार में आत्मनिर्भरता की नींव रखी थी। मथुरा भले ही समुद्र तट से काफी दूर है, लेकिन यहां की औद्योगिक इकाइयाँ देश की समुद्री अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई हैं।

मथुरा से धार्मिक सामान, डेयरी और मिठाई, कृषि और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट, कपड़ा और पारंपरिक वस्त्र, छोटे उद्योग और मशीनरी, पेपर/पैकेजिंग, हस्तशिल्प आदि सामान बड़े स्तर पर जाता है। वस्तुएं समुद्री मार्गों के जरिए देश–विदेश तक पहुंचती हैं। इस तरह मथुरा भी अप्रत्यक्ष रूप से समुद्री व्यापार में अपनी भूमिका निभा रहा है। देश के कुल विदेशी व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से होता है जिससे इसकी अहमियत और बढ़ जाती है। यही कारण है कि राष्ट्रीय समुद्री दिवस भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक व्यापार में बढ़ती भागीदारी का प्रतीक माना जाता है।

देश की समुद्री अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई हैं यहां की औद्योगिक इकाइयाँ

इस मौके पर विभिन्न संस्थानों और उद्योगों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। छात्रों को नौवहन, पोर्ट प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की जानकारी दी जा रही है, ताकि उन्हें भविष्य में रोजगार के नए अवसर मिल सकें। राष्ट्रीय समुद्री दिवस यह संदेश देता है कि देश का हर क्षेत्र, चाहे वह मथुरा जैसा भू–आधारित शहर ही क्यों न हो, भारत की आर्थिक तरक्की और वैश्विक जुड़ाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आगरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर कार्यशाला का आयोजन

यूटीएस और एटीवीएम टिकटों में होने वाले फ्रॉड की रोकथाम

एक रेलवे स्टेशन पर कार्यशाला के दौरान टिकटों में फ्रॉड की रोकथाम की जानकारी लेता स्टाफ।

यूनिक समय, आगरा। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल ने यात्रियों की सेवाओं में पारदर्शिता एवं टिकटिंग प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए यूटीएस और एटीवीएम टिकटों में होने वाले संभावित फ्रॉड की रोकथाम के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।यह कार्यशाला मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में आयोजित की गई। कार्यशाला में मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों आगरा फोर्ट, ईदगाह, मथुरा जंक्शन, आगरा कैंट एवं धौलपुर जंक्शन से संबंधित चेकिंग स्टाफ एवं वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान यूटीएस और एटीवीएम माध्यम से जारी टिकटों के दुरुपयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टिकटिंग प्रक्रिया में संभावित अनियमितताओं की पहचान करने, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा तकनीकी एवं व्यवहारिक उपायों के माध्यम से फ्रॉड को रोकने के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, चेकिंग स्टाफ को यात्रियों के टिकटों के सत्यापन की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ करने, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया गया।

आपके घर में रखा सेंसोडाईन टूथपेस्ट नकली तो नहीं...

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप दातों को दर्द और टीस से बचाने के लिए सेंसोडाईन टूथपेस्ट का उपयोग कर रहे हैं तो वह कहीं नकली तो नहीं है। यह नकली टूथपेस्ट आपके दांतों की सुरक्षा करने की बजाय नुकसान तो नहीं पहुंचा रहा। इस बात से आप अनजान होंगे।

इस बात से यूनिक समय आपको इसलिए सतर्क कर रहा है कि दिल्ली पुलिस ने छापेमारी कर नकली सेंसोडाईन टूथपेस्ट बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। फैक्ट्री मालिक हरिओम मिश्रा को गिरफ्तार है। पुलिस को मौके से हजारों नकली ट्यूब, पैकिंग मेटेरियल, मशीनें और केमिकल्स मिले। जांच में सामने आया कि आरोपी असली जैसे दिखने वाले पैकेट खरीदते थे या बनाते थे और उनमें सस्ता व घटिया पेस्ट भरकर बाजार में सप्लाई करते थे। यह पूरा नेटवर्क सिर्फ एक जगह तक सीमित नहीं था बल्कि दिल्ली के अलग–अलग इलाकों में फैक्ट्रियां चल रही थीं, जहां से यह नकली सामान दुकानों तक पहुंचाया जाता था। इस तरह के नकली प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स से दांतों और पेट दोनों को गंभीर नुकसान हो सकता है।

वृद्धाश्रम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

शिविर में 220 बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण, 90 चश्मों का वितरण

यूनिक समय, आगरा। सृजन फाउंडेशन के तत्वावधान में सिकंदरा स्थित रामलाल वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। शिविर में सामान्य चिकित्सा, नेत्र एवं दंत रोगों की जांच के साथ दवा वितरण भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर हेमलता दिवाकर, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता, डॉ. बीके सिंह, डॉ. श्रुति सिन्हा, वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. राजीव बंसल एवं जितेंद्र फौजदार ने किया। मुख्य अतिथि ने सृजन फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। कहा कि वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर लगाना अत्यंत सराहनीय पहल है।

एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वर का वास होता है, इसलिए गरीब, पीड़ित और अशिक्षित लोगों की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। डॉ. बीके सिंह ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे असहाय बुजुर्गों को अपनाकर उनकी सेवा करनी चाहिए, यही सच्ची ईश्वर भक्ति है। प्रमुख न्यूरो सर्जन डॉ. राजीव बंसल ने गुरु गोविंद सिंह के जीवन का उदाहरण देते हुए त्याग और सेवा की भावना को अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था की अध्यक्ष अदिति कात्यायन ने कहा कि समाज के कमजोर, पीड़ित और वंचित वर्ग को अपना ईश्वर मानकर उनकी सेवा करनी चाहिए। यही हमारे जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रुति सिन्हा ने कहा कि समाज सेवा का वास्तविक अर्थ उन लोगों की सहायता करना है जो अशक्त, पीड़ित और उपेक्षित हैं। सृजन फाउंडेशन इसी भावना के साथ कार्य कर रहा है। टीम में डॉ. अर्पित गुप्ता, डॉ. विशाल बैंसला, डॉ. अनुज सुब्बा और डॉ. अक्षिता शर्मा ने नेत्र, दंत एवं सामान्य रोगों की जांच की। शिविर के दौरान 220 बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 90 जरूरतमंदों को चश्मा वितरित किए गए। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम के प्रबंधक शिवप्रसाद शर्मा, आनंद राय, मोहन सिंह चौधरी, डॉ. पवन शर्मा, हिमानी चतुर्वेदी, राकेश अवस्थी, मुकेश वर्मा, रश्मि त्रिपाठी, विष्णु कटारा, पार्षद अनुज शर्मा, डॉ. अमन सक्सेना, तूलिका दास सक्सेना, शाहतोष गौतम एवं प्रियंका गौतम आदिसमाजसेवी उपस्थित थे। इंडोनेशिया से आई आईना ने इस चिकित्सा शिविर की सराहना करते हुए भारतीय सेवा परंपरा और मानवीय मूल्यों की प्रशंसा की। संचालन डॉ. श्रुति सिन्हा ने किया। संस्था की अध्यक्ष अदिति कात्यायन ने आभार जताया।

छाता तहसील परिसर में बनी पानी की टंकी गिराई

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील परिसर में खड़ी जर्जर पानी की टंकी को ध्वस्त करा दिया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान टंकी का भारी–भरकम हिस्सा पास स्थित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट की बिल्डिंग पर जा गिरा, जिससे न्यायालय परिसर को काफी नुकसान पहुंचा है। एहतियात के तौर पर टंकी के समीप स्थित जेएम कोर्ट कैंपस को भी खाली कराया गया था। टंकी गिराए जाने के दौरान होने वाले कंपन और संभावित खतरे को देखते हुए आसपास के सरकारी आवासों में रहने वाले परिवारों को भी चेतावनी दी गई थी। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया के दौरान कोई भी व्यक्ति मकान के भीतर न रहे।